डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 वर्ष : 08 अंक : 43 मूल्यः 5 रुपए पृष्ठ : 08

शिखर दृष्टि जीवन की... साप्ताहिक समाचार पत्र

हिलव्यू समाचार

जयपुर » गुरूवार 28 अप्रैल, 2022

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746 hillviewsamachar@gmail.com

कॉरोना के कहर से नहीं सरकार द्वारा अचानक कार्यमुक्ति की लहर से पीड़ित हैं ये 28000 कॉविड स्वास्थ्य सहायक

परसादी लाल मीणा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री राजस्थान सरकार से गुहार

तपती दोपहरी में 27 दिन से धरने पर बैठे हैं। क्या कॉरोना सेवाओं के बदले यह पुरस्कार दे रही है राजस्थान सरकार?

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान सरकार स्वास्थ्य विभाग द्वारा कॉरोना वॉरियर्स का जज़्बा भरकर नर्सिंग सम्बंधित बेरोज़गार युवाओं से कॉरोना में सेवा का आव्हान किया गया इसके चलते राजस्थान सरकार द्वारा विज्ञप्ति जारी की गई व जिलावार कमेटी गठित की गई जिसमें जिला कलेक्टर, सडीएम सीएमएचओ व स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी थे। पूरी सरकारी प्रक्रिया के तहत इन्हें कॉविड स्वास्थ्य सहायक के पद पर पोस्टिंग दी गयी। लगभग 7900/- मानदेय के साथ इन कॉविड स्वास्थ्य सहायकों ने कॉरोना के भीषण कहर में लगभग 7 माह तक चौसठ घड़ी, आठों पहर काम किया क्योंकि रोज़गार की ख़ुशी जेहन में थी और सेवा करने का जज़्बा मन में।

उस दौरान भी जहाँ एक ओर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों का सेवा वक़्त 9 बजे से 3 बजे तक तय था वहीं दूसरी ओर इन 28,000 कॉविड स्वास्थ्य सहायकों को आवश्यकता पड़ने पर हर वक़्त मुस्तैद रहने का आदेश था । अपने ख़र्चे से घर से कार्यस्थल तक लगभग 20-30 किमी आना-जाना किया इन कॉविड स्वास्थ्य सहायक योद्धाओं ने। हर जिले से चुने गए इन युवाओं ने जिसमें स्त्री व पुरुष दोनों शामिल थे इन्होंने जी-जान लगा दी। स्वास्थ्य विभाग व सरकार के कंधे से कंधा मिलाकर काम किया।

कॉरोना का कहर तो इन योद्धाओं को छू न सका लेकिन 31 मार्च की रात 11 बजे सरकार ने इन्हें बिना किसी पूर्व सूचना के कार्यमुक्त कर दिया। 7 माह का वेतन भी बड़ी संख्या में कईयों का बकाया है।

1. क्या सेवा करने पर यह मेवा दिया सरकार ने कि 31 मार्च को कार्यमुक्त कर बेरोज़गार कर दिया।
2. 'कोई ग़रीब भूखा न सोए' का संदेश देने वाली सरकार क्या 'कॉरोना यौद्धाओं को अमूल्य सेवा के बाद ज़ार-ज़ार रोये' का इनाम दे रही है?
3. कॉरोना की लहर अभी मौजूद है लगातार केस बढ़ रहे हैं ऐसे में स्वास्थ्य विभाग को अधिक स्वास्थ्यकर्मियों की आवश्यकता है लेकिन इन्हें कार्यमुक्त कर सरकार कौनसे मानस का प्रदर्शन कर रही है?
4. जहाँ एक ओर स्वास्थ्य विभाग में लाखों नौकरी की घोषणा सरकार ने की और इन्हें कॉरोना स्वास्थ्य सहायक की पोस्टिंग देकर वाहवाही भी लूटी रोज़गार देने के नाम पर फिर अब इन्हें वापस बेरोज़गारी की तरफ धकेल कर क्या साबित करना चाहते हैं स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल मीणा ?

कॉविड स्वास्थ्य सहायक जो कि पुलिस कमिश्नरेट के पास शहीद स्मारक पर 27 दिनों से बैठे हैं धरने पर उनसे बातचीत के कुछ अंश-

जया कटारिया, झुंझुनूं

झुंझुनूं पिछ्ले 27 दिन से हम लगातार तपती दोपहरी में धरने पर बैठे हैं। जिसमें कई महिलाएँ हैं जिनके साथ बच्चे हैं। कई महिलाएं विकलांग हैं। अचानक से हमें कार्य से मुक्त कर देना हमारे परिवार के लिए कहर से कम नहीं। कॉरोना के दौरान जिस तरह हमने ने सेवाएं दी हैं वह इस इनाम के हकदार हैं? क्या सरकार ने हमें कार्यमुक्त कर इस तरह का इनाम दिया है और पिछ्ले 7 माह से हमें तनख्वाह भी नहीं मिली है हमने अपने खर्चे घर से कार्यस्थल तक आना-जाना किया।

संतोष, जोधपुर

अचानक से हमें बिना किसी पूर्व सूचना के कार्यमुक्त कर दिया गया। अधिकाँश के परिवार इस नौकरी से पल रहे हैं। हमारी सरकार से माँग है कि हमें पुनः नौकरी बहाल किया जाकर उसी संवेदनशीलता का परिचय सरकार को देना चाहिए जो सरकार ने कॉविड के दौरान आम जनता के प्रति दिखाई।

मनोज, चूरू

पूरी सरकारी प्रक्रिया के तहत हमें लिया गया था। सरकार द्वारा जारी विज्ञप्ति के पश्चात जिलावार कमेटी बनाई गई थी जिसमें जिला कलेक्टर, एसडीएम, सीएमएचओ व स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी थे। हमने पूरी निष्ठा व सेवाभाव से सेवाएँ दी हैं। न दिन देखा न रात, न ही हमने मानदेय का कोई मुद्दा उठाया। 7 माह बाद सरकार ने अचानक कार्यमुक्त कर दिया। क्या यह एक संवेदनशील क़दम है सरकार का। हमारी सेवाओं पर कुठाराघात हुआ है। हम बस पुनः अपनी नौकरी बहाल चाहते हैं।

आकाश दुबे, कोटा

मैं उस जिले से आता हूँ जहाँ से माननीय ओम बिरला व माननीय शांति धारिवाल ताल्लुक रखते हैं। हमें आज 27 दिन 45 डिग्री की धूप में तपते हुए हो गए लेकिन कोई भी आशा किसी भी नेता ने नहीं जगाई। हमें पूरी सरकारी प्रक्रिया द्वारा पोस्टिंग दी गयी थी लेकिन अचानक कार्यमुक्त कर दिया। एक तरफ सरकार लाखों रोज़गार देने की बात करती है और एक तरफ हमारे हाथ से रोज़गार छीन लिया। कॉरोना में की गई सेवाओं का ये सिला मिलेगा हमने नहीं सोचा था। सरकार को हमारी स्थिति को समझना होगा। हमारे परिवार इस अचानक की कार्यमुक्ति से अवसाद में घिर गए हैं। सरकार से उम्मीद है कि जल्द सकारात्मक फैसला दे।

ख़बर-बेख़बर

शालिनी श्रीवास्तव

मैं अंतिम साँस तक अन्याय के ख़िलाफ़ लड़ता रहूँगा: गोवर्धन सिंह, अधिवक्ता, राजस्थान हाईकोर्ट

अधिवक्ता गोवर्धन सिंह ने राजस्थान में ऐसा कौनसा गोवर्धन पर्वत उठा लिया है कि शासन-प्रशासन और न्यायालयों में भूचाल आ गया है?

राजस्थान हाईकोर्ट के समय ही बाहर से वकील की वर्दी में गोवर्धन सिंह अधिवक्ता राजस्थान हाईकोर्ट को बड़ी संख्या में मौजूद सिविल वर्दी में, मास्क व मुँह पर रुमाल लपेटे पुलिस द्वारा नाटकीय ढंग से हाथ पकड़कर रोड के उस पार खड़ी पुलिस की गाड़ी में घेरा बनाकर ले जाया गया।

वे सवाल जो खड़ा करते हैं संदेह का एक बड़ा घेरा ?

वजह जो एडिशनल पुलिस कमिश्नर अजयपाल लाम्बा द्वारा गिरफ्तारी के तुरंत बाद की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताई गई।

(पर क्या वाकई यही वजह है?)

जयपुर। कोरोना लोकडाउन के दौरान खासा कोठी क्षेत्र में ACP रैंक की पुलिस अधिकारी संध्या यादव ने राजकार्य के दौरान बाधा उत्पन्न करने,अभद्र व्यवहार करने, जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने के आरोप लगाते हुए गोवर्धन सिंह के ख़िलाफ़ सदर थाने में शिकायत दर्ज करवाई। जाँच अधिकारी द्वारा आरोप प्रमाणित होने के पश्चात जब गोवर्धन सिंह के ख़िलाफ़ गिरफ्तारी की स्थिति बनी तो इस पर गोवर्धन सिंह ने राजस्थान हाईकोर्ट से गिरफ्तारी पर स्टे ले लिया किन्तु आज 27 अप्रैल को लगभग 11.30 बजे सुनवाई के बाद यह स्टे राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा हटा दिया जाने का आदेश निश्चित हुआ। राजस्थान हाईकोर्ट के फ़ैसले के तुरंत बाद जबकि स्टे हटने की ऑर्डर की प्रमाणित प्रति भी जारी नहीं हुई कि उससे पूर्व बिना किसी कागज़ी कार्यवाही के हाईकोर्ट के बाहर आते ही, कोर्ट टाइम के दौरान ही,कोर्ट की वर्दी में गोवर्धन सिंह को सिविल वर्दी व मास्क रुमाल मुँह पर पहने पुलिस के घेरे ने जकड़ लिया। अधिवक्ता सिंह को पूछताछ की बात कहकर सदर थाना ले जाया गया। इस तरह अचानक यह सब घटनाक्रम एक सन्देह पैदा करता है जैसे पूर्व में ही सारी तैयारी पुलिस विभाग द्वारा कर ली गई हो। सबकुछ जैसे पहले से सुनियोजित था?

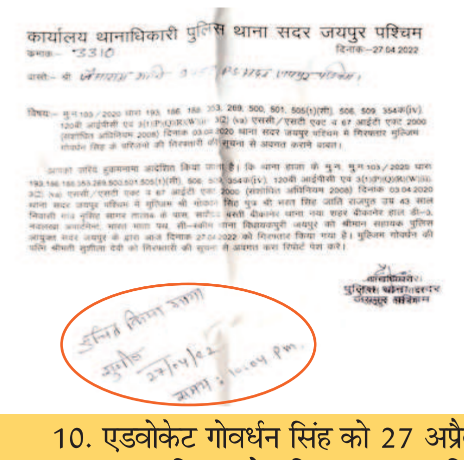
कार्यालय थानाधिकारी पुलिस थाना सदर जयपुर पश्चिम

दिनांक–27.04.2022

1.क्या गोवर्धन सिंह एक कुख्यात अपराधी या आतंकवादी की श्रेणी में आता है कि उसे इस धड़पकड़ अंदाज़ में पुलिस द्वारा ले जाया गया?

2. क्या महिला उत्पीड़न केसों में पुलिस इतनी ही जागरूक और फुर्तीली है?

3. इस गिरफ़्तारी के तुरंत बाद मीडिया को कांफ्रेस के नाम पर पुलिस कमिश्नरेट में समेट लेना कहीं सदर थाने को मीडिया की गिरती प्रश्नों के गाज़ से बचाना तो नहीं था?

4. कहीं सरकार,न्यायालय व अन्याय के ख़िलाफ़ छेड़ी मुहिम का शिकार तो नहीं हो गए गोवेर्धन सिंह?

5. सच को दस्तावेज़ों के साथ सामने वाले गोवेर्धन सिंह के इरादों को डिगाने की साज़िश तो नहीं यह गिरफ़्तारी की व्यूहरचना?

6. प्रदेश में गैंगरेप,महिलाओं बच्चियों की बलात्कार कर नृशंस हत्याएँ,महिला उत्पीड़न के केस आये दिन हो रहे हैं किन्तु इतना फुर्तीलापन तो पुलिस विभाग का किसी केस में नहीं देखा गया! क्या वाकई पुलिस विभाग इतना संवेदनशील है महिला उत्पीड़न सभी केसों में!

7. अभी परतें और खुलेंगी। परत-दर-परत वो ख़बर जिससे आम जनता बेख़बर है वह अब होगी जगज़ाहिर।

8. पानी में रहकर मगर से बैर करना भारी तो नहीं पड़ गया अधिवक्ता गोवर्धन सिंह को?

9. गौरतलब रहे कि गोवर्धन सिंह ने अपनी फेसबुक आईडी पर 19 अप्रैल को हाईकोर्ट ज़मादार द्वारा रिश्वत लेते हुए एक वीडियो वायरल किया और विस्तार से उसका वर्णन भी किया ।

क्या फेसबुक के वाइरल वीडियो उड़ाए जा सकते हैं सिंह की आईडी से?

आज जल्दी सुबह 28 अप्रैल को पुलिस ने अधिवक्ता गोवर्धन सिंह के ऑफिस में रेड डालकर कंप्यूटर सिस्टम भी जब्त कर लिया। क्या गोवर्धन सिंह कच्चे खिलाड़ी हैं कि सबूतों को अपने ऑफिस तक सीमित रखे हुए होंगे? न जाने कितनी कॉपी कहाँ सेफ होंगी।

10. एडवोकेट गोवर्धन सिंह को 27 अप्रैल दोपहर 12 बजे हिरासत में लिया जाकर परिवार को रात्रि 10:04 पर गिरफ़्तारी की सूचनादी गयी? क्यों

झूठी एफआईआर दर्ज कराने वालों की ख़ैर नहीं

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान पुलिस झूंठी एफआईआर दर्ज कराने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही कर रही है। झुंझुनू शहर सर्किल के मात्र 2 थानों में झूठे मुकदमे दर्ज कराने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस की मुहिम के सुखद नतीजे सामने आए हैं। कोर्ट ने 50 मामलों में आरोपियों को आर्थिक दंड की सजा सुनाई है। शहर सर्किल के थाना कोतवाली व सदर मे दर्ज कराए गए झूंठे मुक़दमों में पुलिस गत 3 महीनों में विशेष अभियान संचालित कर रही थी।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध डॉ रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि शहर झुंझुनू पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप मोहन शर्मा के मार्गदर्शन में वृत के सीओ शंकर लाल छाबा द्वारा झूंठे मुकदमें दर्ज करा पुलिस और कोर्ट का कीमती समय खराब कर दूसरे पक्ष को हानि पहुँचाने और समाज मे उनकी इज्ज़त खराब करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध थाना सदर व कोतवाली में दर्ज 52 मुकदमों को चिन्हित किया गया। तफ़्तीश में झूठे पाए गए इन प्रकरणों में धारा 182 व 211 के तहत कार्रवाई के लिए अदालत में इस्तगासे पेश किए गए। कोर्ट ने 50 मामलों में झूठे मुकदमे दर्ज करने वाले लोगों को आर्थिक दण्ड की सजा सुनाई है। दो मामले अभी अंडर ट्रायल है, जिसमें भी शीघ्र सजा सुनाए जाने की संभावना है। एडीजी डॉ मेहरड़ा ने बताया कि पोक्सो एक्ट व गैंगरेप के 1-1, बलात्कार के 3, छेड़छाड़ के 8 और एससीएसटी एक्ट के 7 मुकदमों के अलावा 30 अन्य मुकदमों में कोर्ट द्वारा यह सजा सुनाई गई।

अलवर मंदिर ध्वस्तीकरण करने वाले दोषियों पर सख़्त कार्यवाही हो: स्वामी सुमेधानंद सरस्वती

भाजपा की माँग ध्वस्त मंदिर व घरों के पुनर्निर्माण हों और नुकसान का मुआवज़ा सरकार दे

हिलव्यू समाचार

जयुपर। प्रदेश मुख्यालय पर सीकर सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने अलवर राजगढ़ मंदिर प्रकरण में प्रदेश भाजपा द्वारा बनाई गई तथ्यात्मक जांच समिति द्वारा तैयार की गई जांच रिपोर्ट को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां को सौंपी और प्रेसवार्ता कर मीडिया के समक्ष तथ्यों को रखा। सुमेधानंद ने कहा कि जिस प्रकार से 300 साल पुराना मंदिर तोड़ा गया और मूर्तियों को खंडित किया गया, यह अराजकतापूर्ण है।

कांग्रेस सरकार द्वारा भाजपा पर लगाए गए आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि, इस सरकार के शासनकाल में पूर्व में भी सालासर में राम दरबार को गिराने व गौशाला को तोड़ने जैसी प्रदेश में और भी घटनाएं हुई, जहाँ फैसला भाजपा बोर्ड ने नहीं, बल्कि सभी जगह गहलोत सरकार ने लिया। 8 फरवरी 2022 को राजगढ़ नगर पालिका ने गौरव पथ योजना के संदर्भ में प्रस्ताव लेकर आयी थी कि इस सड़क पर स्थित मंदिर न टूटे, इसलिए इस सड़क की चौड़ाई 60

फीट नहीं की जानी चाहिए, इसकी चौड़ाई 30 फीट रखी जाए, जिससे मंदिर सुरक्षित रहे, नगर पालिका के प्रस्ताव में यह कही भी उल्लेखित नहीं था कि अतिक्रमण हटाने के नाम पर 300 साल पुराना मंदिर तोड़ा जाए। सदन में उपस्थित समस्त सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया कि गोल चक्कर से श्री भवानी सहाय की मूर्ति तक सड़क की चौड़ाई बाबत् मास्टर प्लान में संशोधन हेतु विभाग को विस्तृत प्रस्ताव प्रेषित किया जावें। साथ ही स्थानीय विधायक जौहरी लाल मीणा व कांग्रेस उपाध्यक्ष और पार्षद राजेन्द्र बैरवाल बैठक में उपस्थित थे पूरी कार्रवाही पढ़ कर ये अनुमान लगा सकते है कि पार्षद राजेन्द्र बैरवाल ने बार-बार ये बात कही कि केवल तीन दिन का नोटिस देकर इन मकानों को तोड़ दिया जाए अतिक्रमण हटा दिया जाए। जबकि प्रस्ताव में ये हुआ था कि चिन्हित किया जाए अब चिन्हित का मतलब आप जानते है। ना ही चिन्हित किया, ना सुनवाई की जगह सीधे बुलडोजर चलाकर तोड़ दिया।

राज्य सरकार से मांग करते हुए स्वामी ने कहा कि जिन मंदिरों को तोड़ा गया उसके लिए सरकार माफी मांगे उन मंदिरों को वापस बनाया जाए, पट्टा होने बावजूद जिन लोंगो को बिना नोटिस दिए मकान तोड़े गए हैं उनको मुआवजा या मकान दिया जाए।

हाईकोर्ट ने किशनपोल उपायुक्त हंसा मीणा के ट्रांसफर आदेश को किया रद्द

अधिकारों के लिए संघर्ष कर और सफलता पाकर महिला जगत के लिए प्रेरणा बनी हंसा मीणा उपायुक्त किशनपोल जोन

अवधेश मीणा
आयुक्त, नगर निगम (हेरिटेज) जयपुर

हंसा मीणा
उपायुक्त हेरिटेज, किशनपोल जोन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। हाईकोर्ट ने किशनपोल उपायुक्त पदासीन अधिकारी हंसा मीणा के दौसा नगर परिषद के सचिव पद पर किए गए ट्रांसफर आदेश को गलत मानते हुए रद्द कर दिया है। अदालत ने कहा कि प्रार्थी को जब 6 अक्टूबर 2021 के आदेश से पदोन्नत किया गया है तो उसे सचिव पद पर ट्रांसफर नहीं किया जा सकता। जस्टिस इंद्रजीत सिंह ने यह आदेश हंसा मीणा की याचिका को मंजूर करते हुए दिया। नगर निगम हेरिटेज आयुक्त अवधेश मीणा से टकराव के चलते लगातार आनन-फानन में हंसा मीणा के ट्रांसफर किये गए जिन्हें हर बार चुनौती देकर हंसा मीणा ने रेट व हाइकोर्ट में याचिका दर्ज की थी। इस केस को हिलव्यू समाचार के पिछ्ले अंकों से समझा जा सकता है।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

जयपुर >> गुरूवार 28 अप्रैल, 2022

संपादकीय

भारत को बदनाम करने की कोशिश, कोविड महामारी को लेकर डब्ल्यूएचओ की भूमिका पर उठ रहे सवाल

पिछले दिनों न्यूयार्क टाइम्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के हवाले से कहा गया कि भारत विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा कोविड संक्रमण के कारण होने वाली मौतों के सही आकलन में अवरोध उत्पन्न कर रहा है। उस रिपोर्ट को आधार बनाकर विपक्षी दल के नेता राहुल गांधी ने कहा कि कोविड के कारण देश में 40 लाख मौतें हुई हैं, जबकि सरकार द्वारा मात्र पांच लाख मौतों का आंकड़ा बताया जा रहा है। हालांकि केंद्र सरकार ने उस रिपोर्ट पर गहरी आपत्ति दर्ज की। उसने कहा कि न्यूयार्क टाइम्स को डब्ल्यूएचओ के भारत के संदर्भ में तो आंकड़े प्राप्त हो गए, लेकिन अन्य देशों के क्यों नहीं? कहीं ऐसा तो नहीं कि भारत को बदनाम करने की नीयत से डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों को शरारतपूर्ण ढंग से उपयोग किया जा रहा है।

आज पूरी दुनिया भारत के कोरोना रोधी टीकाकरण अभियान का लोहा मान रही है। ऐसे में लगता है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के कुछ अधिकारी जानबूझकर भारत के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन और उपलब्धि को कम दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए वे कोविड के कारण भारत में होने वाली मौतों के सरकार द्वारा प्रकाशित आंकड़ों पर प्रश्न चिन्ह लगा रहे हैं। यह सही है कि डब्ल्यूएचओ पूरे विश्व में ही कोविड के कारण होने वाली मौतों का आंकड़ा अभी तक के घोषित आंकड़ों से ज्यादा आंक रहा है, लेकिन भारत के मामले में तो यह बहुत ज्यादा बढ़ाकर बताया जा रहा है। गौरतलब है कि न्यूयार्क टाइम्स ने डब्ल्यूएचओ के हवाले से यह कहा है कि अभी तक यह बताया जा रहा था कि दुनिया में कुल 60 लाख लोग कोविड के कारण मृत्यु को प्राप्त हुए हैं, लेकिन वास्तव में यह आंकड़ा 150 लाख का है। जाहिर है यह सभी देशों द्वारा अलग-अलग घोषित आंकड़ों के दोगुने से भी ज्यादा है। इस 90 लाख अतिरिक्त लोगों की मौत के आंकड़े में अकेले 35 लाख मौतों को भारत के हिस्से में दर्शाया गया है। डब्ल्यूएचओ के इस कृत्य की केंद्र सरकार द्वारा उचित ही आलोचना की गई है। भारत सरकार ने कहा है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मौतों के आंकड़े जुटाने के लिए दोहरे मापदंड अपनाए हैं। जहां एक प्रकार के देशों में सीधे मौत के आंकड़े लिए गए हैं, जबकि दूसरे प्रकार के देशों में मौतों का निर्धारण करने के लिए गणितीय प्रक्रिया अपनाई गई है, जिसमें भारत भी शामिल है। सरकार ने कहा है कि मुल्कों को दो भागों में विभाजित करने के संबंध में कोई कारण नहीं दिया गया है। मोदी सरकार ने आगे कहा है कि जो गणितीय माडल दूसरे प्रकार के देशों के लिए अपनाया गया है, उसे पहले प्रकार के देशों पर लागू करके प्रमाणित करने की जरूरत है, जो डब्ल्यूएचओ नहीं कर रहा है। भारत सरकार ने कहा है कि उसने इस प्रक्रिया के संबंध में कई बार अपनी आपत्ति दर्ज कराई, जिसका डब्ल्यूएचओ ने कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया।

डब्ल्यूएचओ का गड़बड़झाला : विश्व स्वास्थ्य संगठन संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में एक ऐसा संगठन है जिस पर दुनिया के स्वास्थ्य की सुरक्षा का दायित्व है। उससे यह अपेक्षा है कि दुनिया के किसी भी हिस्से में स्वास्थ्य आपदा आने पर उसके लिए स्वयं भी उचित कदम उठाए और संबंधित देशों की सरकारों को भी सही उपायों को अपनाने के लिए सलाह दे। शायद इसी बात का हवाला देते हुए डब्ल्यूएचओ का यह तर्क है कि कोविड के दौरान होने वाली मौतों के सही आकलन से भविष्य में इस प्रकार की महामारी के संदर्भ में सही नीतियों को बनाने में मदद मिलेगी। हालांकि इस तर्क में कोई गलती नहीं है, लेकिन महामारी के दौरान ही डब्ल्यूएचओ अपने कुछ कृत्यों के कारण विवादों में रहा है। सर्वप्रथम डब्ल्यूएचओ ने कोरोना संक्रमण के कारण के आकलन में ईमानदारी का परिचय नहीं दिया था। गौरतलब है कि 14 जनवरी, 2020 को डब्ल्यूएचओ ने एक ट्वीट कर कहा कि कोरोना संक्रमण का मानव से मानव में फैलने का कोई खतरा नहीं है। हालांकि यह संक्रमण सितंबर 2019 से ही फैल रहा था। डब्ल्यूएचओ के इस ट्वीट ने दुनिया भर के देशों को भ्रमित कर दिया कि यह मानव से मानव में नहीं फैलेगा। सभी देशों ने अपनी अंतरराष्ट्रीय यात्री विमानों की उड़ानों को यथावत रखा। डब्ल्यूएचओ की इस कोताही के चलते चीन के वुहान का यह वायरस दुनिया भर में भीषण तबाही का कारण बन गया। बहुत समय बाद में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर परीक्षण शुरू किया गया। साथ ही एकांतवास की प्रक्रिया भी अपनाई गई।

यही नहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने यह बात भी छिपाने की कोशिश की कि कोरोना संक्रमण चीन की वुहान प्रयोगशाला से उत्पन्न हुआ है। जबकि दुनिया भर के अधिकांश विशेषज्ञों ने उसके इस दावे को खारिज किया। उनका यही कहना रहा कि कोरोना वायरस चीन के जानवरों के मांस की मंडी से निकला है। डब्ल्यूएचओ के चीन के साथ प्रेम का मुख्य कारण यह माना जाता है कि ट्रेडोस घेब्रेयेसस चीन के प्रयासों से ही इस संगठन के प्रमुख बने हैं। ऐसे में डब्ल्यूएचओ के मुखिया चीन को नाराज करने का जोखिम नहीं उठा सकते थे। इस गड़बड़झाले को समझते हुए ही अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डब्ल्यूएचओ को अमेरिका द्वारा दिए जाने वाले करोड़ों डालर के योगदान को बंद करने का निर्णय ले लिया। गौरतलब है कि डब्ल्यूएचओ को दुनिया भर के देशों से पूर्व निर्धारित योगदान तो मिलता ही है, साथ ही साथ उसे कई प्रकार का ऐच्छिक योगदान भी मिलता है। ऐच्छिक वित्त पोषण करने वालों का विश्व स्वास्थ्य संगठन के कार्यकलापों में भारी दखल रहता है। गौरतलब है कि जब भारत अपने बलबूते पर कोरोना रोधी वैक्सीन निर्माण की तरफ आगे बढ़ रहा था तो डब्ल्यूएचओ के प्रमुख अधिकारी भारत के इन प्रयासों को 'वैक्सीन राष्ट्रवाद' बताकर खारिज कर रहे थे। वे कह रहे थे कि यह संक्रमण को समाप्त करने में बाधा होगा। कुछ लोग तो यह कहते हुए सुने गए कि वे वैक्सीन का फामरूला भारत जैसे देशों को देने के पक्ष में नहीं हैं, क्योंकि इससे उसकी गुणवत्ता पर असर पड़ेगा। उनकी बातों में आकर विश्व स्वास्थ्य संगठन भारत पर यह भी दबाव बना रहा था कि वह बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा बनाई जा रही कोरोना रोधी वैक्सीन को खरीदने के लिए बाध्यकारी वचन दे।

कम खर्च में घूम आएं विदेश

विदेश घूमना की इच्छा कौन नहीं रखता, लेकिन लोग अक्सर सिर्फ इसलिए ट्रिप प्लान नहीं कर पाते क्योंकि वहां जाना काफी महंगा पड़ता है. वहां का वीजा, फ्लाइट, ठहरने और फिर खाने-पीने का खर्चा हमारे बजट से बाहर निकल जाता है. हालांकि, कुछ ऐसे देश हैं जहां की बजट यात्रा संभव है. अगर आप भी विदेश घूमने की ख्वाहिश रखते हैं और ऐसी जगहों की तलाश में हैं, जहां न सिर्फ पहुंच पाना, बल्कि घूमना भी सस्ता हो तो जानते है ऐसे देशों के बारें में जहां आप सस्ते में भ्रमण कर सकते हैं.

वियतनाम

वियतनाम भारत से यात्रा पर जाने के लिए सबसे सस्ते देशों में से है. यहां आपको सुंदर समुद्र तट, लैंडस्केप, लजीज स्ट्रीट फूड, गुफाएं देखने को मिलेंगी. शॉपिंग के लिए वियतनाम बहुत ही सस्ता देश है.

नेपाल

नेपाल की राजधानी काठमांडू बेहद खूबसूरत है. यहां के बौद्ध स्तूप दुनिया भर में मशहूर हैं. आप दिल्ली से फ्लाइट ले रहे हैं तो आराम से 12 हजार से लेकर 15 हजार में घूम सकते हैं. यह भारत का पड़ोसी देश है. यहां जाने के लिए आपको पासपोर्ट और वीजा की कोई जरूरत नहीं है.

मलेशिया

भारत से मलेशिया का सफर मात्र 4 घंटे की उड़ान का है. यहां काफी पर्यटक आते हैं. कुआलालंपुर मलेशिया का प्रमुख पर्यटन स्थल है. मलेशिया में देखने लायक कई मार्केट हैं.

बाली

बाली इंडोनेशिया का एक द्वीप है. यहां कई हाई-फाई रेस्तरां और ट्रेंडी फैशन स्टोर्स की धूम है. दिल्ली से बाली की हवाई दूरी करीब 6,800 किलोमीटर है. फ्लाइट से बाली पहुंचने में करीब सवा 8 घंटे लगते हैं.

भूटान

भूटान हिमालय की पहाड़ियों से ढका हुआ है, जहां आपको कई रहस्यमय चीजें और कथाएं सुनने को मिल जाएंगी. ऐसा माना गया है कि दुनिया में सबसे खुश भूटान के लोग होते हैं. इस देश में जाने के लिए भारतीयों को वीजा की जरूरत नहीं पड़ती. भूटान आप सड़क, फ्लाइट और ट्रेन के माध्यम से पहुंच सकते हैं.

गर्मियों में साड़ी पहनने के टिप्स

साड़ी बहुत ही खूबसूरत और स्टाइलिश आउटफिट है जो लगभग हर तरह की बॉडी पर जंचती है और इसे किसी भी मौसम में कैरी किया जा सकता है. लेकिन खूबसूरती के साथ अगर आप इसमें अप-टू-डेट और कंफर्टेबल नजर आना चाहती हैं तो कुछ स्टाइलिंग टिप्स के बारे में जान लेना जरूरी है.

चुनें पेस्टल कलर्स

गर्मियों के हिसाब से पेस्टल कलर परफेक्ट ऑप्शन है जिसमें लुक बेहद स्टाइलिश लगता है. पेस्टल कलर की साड़ियों को गर्मी में आप ऑफिस से लेकर शादी-पार्टी, हर मौके पर पहन सकती हैं.

फ्लोरल प्रिंट है सदाबहार

फ्लोरल सदाबहार प्रिंट है जिसे आप गर्मियों से लेकर सर्दी, बारिश, बसंत किसी भी मौसम में कैरी कर अपना एक अलग स्टाइल सेट कर सकती हैं. तो अलग-अलग तरह की फ्लोरल प्रिंट्स साड़ियों को गर्मियों के सीजन में अपने वॉर्डरोब में करें शामिल. बस एक बात का ध्यान रखें कि अगर साड़ी का प्रिंट फ्लोरल है तो ब्लाउज सिंपल हो वरना मनचाहा लुक नहीं मिलेगा.

न्यूट्रल शेड में दिखें खास

बहुत डॉर्क शेड्स गर्मी एब्जॉर्ब करने का काम करते हैं और बहुत लाइट शेड कई बार सांवली रंगत पर कुछ खास नहीं जंचते, तो ऐसे में आपको न्यूट्रल शेड्स का चुनाव करना चाहिए, जो इन सारी परेशानियां का कारगर सॉल्यूशन है और दिखने में भी काफी क्लासी लगते हैं. सबसे अच्छी बात कि ये गोरी हो या सांवली, हर रंगत पर खिलते हैं.

ब्लाउज का हो अलग स्टाइल

गर्मियों में स्टाइलिश नजर आने के साथ कंफर्टेबल दिखना भी जरूरी है. तो बेल स्लीव, स्लीवलेस, पफ स्लीव, हॉल्टर नेक ऐसे ऑप्शन्स हैं जो साड़ी में आपके लुक को तो ग्लैमरस बनाएंगे ही, साथ ही पसीने, खुजली जैसी समस्याओं को भी दूर रखेंगे. लेकिन हां, इसके लिए ब्लाउज का फैब्रिक भी सही होना चाहिए. गर्मियों में कॉटन हर लिहाज से परफेक्ट होता है.

पैसे बचाएँ, बैंक बैलेंस बढ़ाएँ शॉपिंग की लत से छुटकारा पाएँ

डिस्काउंट्स, सेल और ऑफर्स ऐसे शब्द हैं जो कान में पड़ते ही शॉपिंग की क्रेविंग को बढ़ाने का काम करते हैं. जिनके चलते अक्सर ही महिलाएं उन चीजों की भी खरीदारी कर लेती हैं जिनकी उन्हें जरूरत भी नहीं होती. फिर बाद में पैसे बर्बाद होने का अफसोस करती हैं.

शॉपिंग की लत को आसानी से कंट्रोल करना तो मुश्किल है लेकिन नामुमकिन नहीं. महिलाओं के लिए तो ये एक तरह का स्ट्रेस बस्टर होता है लेकिन इस चक्कर में कई बार बजट से ज्यादा शॉपिंग हो जाती है. जानते हैं कि कैसे अपनी इस आदत को कंट्रोल कर सकते हैं.

इनवेस्टमेंट और सेविंग्स

अपनी सैलेरी का आधे से ज्यादा पैसा सेविंग्स और इनवेस्टमेंट में यूज करें. इससे बैंक में लिमिटेड पैसे रहेंगे जो आपको खर्च करने से खुद-ब-खुद रोकेंगे. ये काम महीने की शुरुआत में ही कर लिया करें. जरूरी बिल, घर के सामान और काम के लिए पैसे निकालकर बचे हुए सारे पैसों को SIP, म्यूचुअल फंड्स या फिर किसी फिक्स डिपॉजिट में लगाएं.

अलर्ट्स को अनसब्सक्राइब करें

शॉपिंग की क्रेविंग को रोकने का ये एक बहुत ही उपयोगी तरीका है. इन मेल्स और अलर्ट्स के जरिए वेबसाइट पर चलने वाले सेल और डिस्काउंट्स का मैसेज आता रहता है, जिसके बाद वेबसाइट खोलनी ही पड़ती है और कुछ-न-कुछ पसंद आ ही जाता है.

पार्टनर से डिस्कस करें

ये आइडिया कई बार काम कर भी सकता है और नहीं भी. मतलब अगर आपके पार्टनर भी सेविंग्स को लेकर अवेयर रहते हैं तो डेफिनेटली आपको बेवजह की शॉपिंग करने से रोकेंगे ही. लेकिन अगर वो खुद भी शॉपिंग फ्रीक हैं तो शायद वहां ये आइडिया काम न करे. लेकिन ज्यादातर मामलों में पार्टनर से डिस्कस करना फायदेमंद ही साबित होता है.

गर्मी में पुरुषों की त्वचा हो जाएगी चमकदार

गर्मियों का मौसम पूरी तरह से आ चुका है. ऐसे में हम सभी घरों में आराम से बैठना और रिलैक्स करना पसंद करते हैं. लेकिन अफसोस की बात यह है कि हमें घर से बाहर निकलना पड़ता है और काम पर जाना पड़ता है. जिसका मतलब है चिलचिलाती गर्मी में जाना और अपनी त्वचा पर नुकसान होने देना. हम अक्सर स्किन केयर की बात करते हैं, लेकिन जब बात पुरुषों की त्वचा की देखभाल की आती है तो वे अक्सर आलस कर जाते हैं. हालांकि, अब ऐसे पुरुष ज्यादा हैं जो स्किन केयर रूटीन की अहमियत को समझते हैं तो चलिए, जानते हैं गर्मियों में पुरुष कैसे आसानी से स्वस्थ त्वचा पा सकते हैं.

क्लींजर का इस्तेमाल करें

अपने चेहरे को दिन में 2-3 बार किसी अच्छे क्लींजर से धोएं जो आपकी त्वचा के टाइप के मुताबिक हो. चेहरे को फ्रेश बनाने के लिए ऐसे क्लींजर का इस्तेमाल करें जिसमें एलोवेरा या ग्रीन-टी के एक्सट्रेक्ट्स हों.

टोनिंग जरूर करें

कई लोग टोनर की अहमियत को नहीं समझते, लेकिन यह स्किन केयर रूटीन का अहम हिस्सा होता है. चेहरे को धोने के बाद एक अच्छे टोनर या फिर गुलाबजल स्प्रे का इस्तेमाल करें. गर्मी में स्किन केयर के लिए एक अच्छा टोनर सभी के लिए जरूरी है.

एक्सफोलिएटिंग प्रोडक्ट्स और मास्क

हफ्ते में एक बार डीप क्लीन करना पुरुषों के लिए काफी जरूरी है. इससे त्वचा प्रोडक्ट्स को बेहतर तरीके से सोख लेगी. इससे डेड स्किन निकल जाती है और पोर्स का आकार छोटा हो जाता है. इसके लिए आप केमिकल एक्सफोलिएंट्स का इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर घर पर स्क्रब तैयार कर सकते हैं. लेकिन इसे इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट करना न भूलें. इसके अलावा हफ्ते में एक बार कूलिंग मास्क भी लगा सकते हैं.

आफ्टर शेव

पुरुषों की त्वचा को शेव करने की वजह से ज़्यादा नुकसान पहुंचता है. इसलिए शेव करने के बाद अपने चेहरे को ठंडे पानी से धोएं. ठंडा आफ्टर शेव स्प्रे लगाएं, ताकि चेहरे की स्किन शांत हो सके.

सनस्क्रीन

सूरज की किरणों से त्वचा को बचाने के लिए ब्रॉड स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें. चेहरे के अलावा इसे गर्दन, हाथों और पैरों पर जरूर लगाएं. ऐसी सनस्क्रीन लगाएं जो व्हाइट कास्ट न छोड़े.

वेट लॉस प्रोसेस में हैं तो न करें ये काम

वेट लॉस प्रोसेस के दौरान लोग ऐसी कई छोटी-छोटी चीजें करते हैं, जो उनके वेट लॉस प्रोसेस को और भी ज्यादा मुश्किल बनाती हैं. जानते हैं कुछ ऐसी चीजें जिन्हें आपको वेट लॉस प्रोसेस के दौरान बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए.

डाइट फूड का सेवन करना

जब लोग वेट लॉस प्रोसेस में होते हैं और बाहर खाना खाते हैं तो वह ऐसी चीजों को खाना पसंद करते हैं, जिन पर हाई फाइबर या डाइट आदि लिखा होता है. उन्हें लगता है कि ये चीजें उन्हें कोई नुकसान पहुंचाए बिना वेट लॉस में मदद करेंगी. लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं होता. अगर आप हाई फाइबर बिस्कुट लेते हैं तो आप देखेंगे कि उसमें कैलोरी व फैट बहुत ज्यादा होता है. इस तरह यह आपको वेट लॉस में कोई फायदा नहीं पहुंचाएगा. कहीं बाहर खाना खा रहे हैं तो अपने कैलोरी काउंट के भीतर ही कुछ हेल्दी फूड ऑर्डर करें.

ब्रेकफास्ट स्किप करना

जब लोग वेट लॉस प्रोसेस में होते हैं तो ब्रेकफास्ट स्किप करते हैं. लंच में रोटी-सब्जी खाते हैं और डिनर में केवल सूप पीते हैं. लेकिन यह वजन कम करने का गलत तरीका है. यह आपके बीएमआर रेट को कमजोर करता है और बाद में इससे वजन कम होने के स्थान पर बढ़ने लगता है.

सिर्फ वजन कांटे पर ही निर्भर रहना

जब आप वेट लॉस प्रोसेस में होते हैं, तो हर दूसरे दिन वजन चेक करते हैं. अगर उनका वजन कम होता है तो उन्हें लगता है कि उनका वेट लॉस हो रहा है. जबकि ऐसा नहीं है. आपको यह समझना होगा कि आपकी बॉडी में फैट के अलावा, वाटर वेट, मसल्स वेट आदि काफी कुछ है. कभी-कभी ऐसा होता है कि आप हेल्दी तरीके से वेट लॉस करते हैं तो आपका वजन कम नहीं होता या फिर कुछ बढ़ जाता है, लेकिन आपकी बॉडी धीरे-धीरे लीन होनी शुरू हो जाती है.

बहुमंज़िला इमारतों में पेयजल उपलब्ध कराने के लिए शीघ्र बनाई जाएगी नीति : जलदाय मंत्री

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. महेश जोशी ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न शहरों में बहुमंजिला आवासीय भवनों में रह रहे लोगों की पेयजल संबंधी समस्या के समाधान को लेकर राज्य सरकार गंभीर है और इस दिशा में सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने इस संबंध में नीति बनाने के लिए कमेटी के गठन एवं एक माह में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए।

डॉ. जोशी मंगलवार को सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में बहुमंजिला इमारतों एवं निजी टाउनशिप में पेयजल कनेक्शन जारी करने के संबंध में बनाई जाने वाली नीति पर चर्चा के लिए आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शहरों में बढ़ रही जनसंख्या की आवास की जरूरतों को पूरा करने के लिए बहुमंजिला इमारतों की संख्या बढ़ रही है। इन इमारतों में रहने वाले लोगों की पेयजल की जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यावहारिक नीति बनाने की कवायद शुरू कर दी गई है और इस मुद्दे पर जल्द ही उचित निर्णय लिया जाएगा।

जलदाय मंत्री ने कहा कि राजस्थान की पेयजल उपलब्धता की परिस्थितियां अन्य राज्यों के मुकाबले विकट हैं। ऐसे में इन परिस्थितियों को देखते हुए अन्य राज्यों में बहुमंजिला इमारतों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अपनाई गई नीतियों का अध्ययन किया जाएगा। मल्टी स्टोरी एवं निजी टाउनशिप डवलपर्स के साथ ही रेजीडेन्ट वेलफेयर सोसायटी के प्रतिनिधियों के सुझावों को शामिल करते हुए नीति का शुरूआती ड्राफ्ट जल्द ही तैयार किया जाएगा। विस्तृत अध्ययन एवं सभी के सुझावों के आधार पर फाइनल ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पेयजल कनेक्शन की अफोर्डेबल दरें तय करने के लिए न्यायसंगत तरीका निकाला जाएगा जो सभी के हित में हो। साथ ही, इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि बहुमंजिला इमारतों में रह रहे लोगों और फ्लैट खरीदने वालों पर अत्यधिक भार नहीं पड़े।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने कहा कि जयपुर शहर के बहुमंजिला भवनों में 42 रूपए प्रति वर्गफीट की दर से जल कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए 30 नवम्बर 2016 को परिपत्र जारी किया गया था। इसके अलावा 6 अक्टूबर 2020 को जगतपुरा-महल रोड जलापूर्ति परियोजना के तहत जगतपुरा-महल रोड क्षेत्र की बहुमंजिला इमारतों के लिए 25 रुपए प्रति वर्गफीट की दर निर्धारित की गई थी, लेकिन इसके उत्साहजनक परिणाम प्राप्त नहीं हुए। अभी बहुमंजिला भवनों में पेयजल कनेक्शन के लिए एकमुश्त भुगतान प्रस्तावित है। इसके अलावा जलापूर्ति की बुनियादी सुविधाओं की कमी वाले क्षेत्रों में बहुमंजिला इमारतों के रहवासियों को उस क्षेत्र की परियोजना लागत का न्यूनतम 50 प्रतिशत अग्रिम भुगतान देना होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान नीति की समीक्षा करते हुए सभी शहरों एवं कस्बों में बहुमंजिला इमारतों में पेयजल कनेक्शन के लिए तर्कसंगत दरों का निर्धारण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि बिल्डर्स, टाउनशिप डवलपर्स एवं रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन आदि से विचार विमर्श कर व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करने के लिए गठित होने वाली कमेटी अपनी रिपोर्ट एक माह में प्रस्तुत करेगी। इस कमेटी में बिल्डर्स एवं टाउनशिप डवलपर्स के साथ ही रेजीडेंट वेलफेयर सोसायटी के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। बैठक में क्रेडाई राजस्थान के प्रेसिडेंट धीरेन्द्र मदान, वाइस प्रेसिडेंट श्री एन. के. गुप्ता, क्रेडाई राजस्थान के सचिव राजेन्द्र सिंह शेखावत, रविन्द्र प्रताप सिंह, टोडार के नगेन्द्र चौधरी, शरद मिश्रा, राजरेडको के अशोक पाटनी एवं विजय जैन एवं रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधि श्री रोहित सक्सेना एवं अन्य ने बहुमंजिला इमारतों एवं टाउनशिप में पेयजल कनेक्शन के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में संयुक्त सचिव जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी प्रताप सिंह, मुख्य अभियंता शहरी एवं एनआरडब्लू सी. एम. चौहान, मुख्य अभियंता (तकनीकी) संदीप शर्मा, मुख्य अभियंता (ग्रामीण) आर के मीणा, मुख्य अभियंता दिलीप गौड़, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (शहरी) अमिताभ शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

5 दिन में 7.50 करोड़ की चोरी का प्लान बिना पुलिस वेरिफिकेशन काम पर रखा, हीरे-जवाहरात ले भागे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर में अम्बे एक्सप्रेस लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड के 7.50 करोड़ के हीरे-जवाहरात 23 अप्रैल को चोरी हो गए। जांच में सामने आया कि कंपनी के कर्मचारियों को सप्ताहभर पहले ही करोड़ों रुपए का पार्सल आने की जानकारी थी। इसके लिए प्लानिंग भी पहले से ही शुरू हो गई थी। कर्मचारियों को पता ता कि मैनेजर छुट्टी पर अपने घर जाने वाला है। इसलिए चोरी के मास्टरमाइंड देवनारायण ने एक दिन पहले गांव जाने के लिए छुट्टी ले ली। अपनी जगह काम करने लिए सीताराम को भेजा, जो मैनेजर के छुट्टी पर जाने के बाद काम करने लगा।

कुल चार कर्मचारियों ने वारदात को अंजाम दिया। पिछले 5 महीने के अंदर ही चारों को रखा था। किसी का पुलिस वेरिफिकेशन नहीं करवाया गया। इसका फायदा उठाकर विकास गुर्जर, हरिओम गुर्जर, देवनारायण और सुरेन्द्र गुर्जर ने चोरी को अंजाम दिया। 7.50 करोड़ के हीरे-जवाहरात लेकर दो कर्मचारी स्कूटी से निकले। बाकी दो कर्मचारी कंपनी के गल्ले में रखे कैश को बैग में भरकर पैदल निकल गए। यह सबकुछ सीसीटीवी में कैद है। पुलिस की दर्जनभर से अधिक टीमों को चोर कर्मचारियों को पकड़ने में लगाया है। लोकेशन के आधार पर पकड़ में नहीं आए, इसलिए कर्मचारियों ने अपने-अपने मोबाइल बंद कर रखे है। पुलिस टीम कंपनी गेस्ट हाउस से करीब 15 KM दूरी में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल चुकी है।

20 हजार तनख्वाह: अम्बे एक्सप्रेस लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी ने जयपुर में पहले माधोसिंह गुर्जर को फ्रेंचाइजी दे रखी थी। माधोसिंह के पास सवाई माधोपुर के रहने वाले विकास गुर्जर, हरिओम गुर्जर, देवनारायण और सुरेन्द्र गुर्जर काम करते थे। पिछले तीन सालों तक माधोसिंह के पास काम किया। 10 नवम्बर 2021 को कंपनी की ओर से जयपुर के गोपालजी का रास्ता में ऑफिस खोल दिया गया। माधोसिंह के पास से काम करने वाले चारों कर्मचारियों को कंपनी ने काम की नॉलेज होने के कारण रख लिया। प्रत्येक को 20 हजार रुपए प्रति महीने और कंपनी की ओर से रहने-खाने की सुविधा कंपनी गेस्ट हाउस में दी गई थी। कंपनी फ्रेंचाइजी में पिछले तीन साल काम करने के कारण ही कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन भी नहीं कराया गया था।

विश्वास में कर्मचारियों पर छोड़ा ऑफिस: पांचों करीब साढ़े पांच महीने से मैनेजर धर्मेंद्र पांडे के पास काम कर रहे थे। कर्मचारियों ने लगन, मेहनत और ईमानदारी दिखाकर मैनेजर को पूरी तरह विश्वास में ले लिया था। पिछले 5 महीने में मैनेजर धर्मेंद्र कंपनी से छुट्टी लेकर 2-3 बार अपने घर भी जा चुका। मैनेजर की गैरमौजूदगी में चारों कर्मचारियों ने ही ऑफिस का काम संभाला था। इस वजह से कर्मचारियों के काम को लेकर मैनेजर पूरी तरह निश्चिंत हो गए थे।

दो स्कूटी पर तो दो पैदल निकले: मैनेजर धर्मेंद्र पांडे का कहना है कि कर्मचारी देवनारायण खुद को गांव चला गया। वहां से सभी को दिशा-निर्देश देता रहा। तीनों साथी कर्मचारियों की हिम्मत और प्लान के तहत ही सीताराम को उनके पास रखा। वारदात को अंजाम देने के बाद विकास और हरिओम दोनों कंपनी की स्कूटी लेकर निकल गए। जिनके जाने के बाद सुरेन्द्र और सीताराम दोनों कंपनी की रैक में रखा कैश बैग में भरकर पैदल-पैदल निकल गए।

प्लानिंग बनाकर चुराए करोड़ों के हीरे-जवाहरात

कंपनी के कर्मचारियों को यह पता था कि जयपुर एयरपोर्ट पर 23 अप्रैल को एक बड़ा पार्सल आने वाला है। मैनेजर धर्मेंद्र पांडे का कहना है कि कर्मचारी देवनारायण करोड़ों के हीरे-जवाहरात चोरी का मास्टर माइंड है। उसके कहने पर ही कर्मचारियों ने प्लानिंग के तहत वारदात को अंजाम दिया। 20 अप्रैल को उसके छुट्टी पर जाने से पहले ही कर्मचारी देवनारायण ने गांव जाने के लिए प्री-प्लान के तहत छुट्टी ले ली। अपनी जगह काम करने के लिए सीताराम को भेजा। 20 अप्रैल को उसके छुट्टी पर जाने के बाद दो-तीन दिन काम किया। 23 अप्रैल को 7.50 करोड़ के हीरे-जवाहरात का पार्सल एयरपोर्ट से गेस्ट हाउस पर लाए। पार्सल खोलकर हीरे-जवाहरात बैग में भरकर निकल गए।

चूरू कलेक्टर को प्रधानमंत्री अवॉर्ड

खेलो इंडिया में नवाचार करने, युवाओं की बेहतर भागीदारी के लिए मिला सम्मान

हिलव्यू समाचार

चूरू। खेलो इंडिया में नवाचार और युवाओं की बेहतर भागीदारी के लिए चूरू कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग को प्रधानमंत्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। सिविल सर्विस डे पर गुरुवार को नई दिल्ली में विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में क्क्रूनरेंद्र मोदी ने सिहाग को ट्रॉफी और 20 लाख रुपए का चेक देकर सम्मानित किया। समारोह के दौरान जिले की खेल गतिविधियों पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया। अवॉर्ड पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने कहा कि जिले में खेल सुविधाओं का विस्तार करते हुए यह कोशिश की जाएगी कि जिले के खिलाड़ियों का प्रदर्शन और अधिक बेहतर हो। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से कहा है कि वे अपनी फिटनेस पर और अधिक ध्यान देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करें और जिले व देश का नाम रोशन करें। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय सभी खेल प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों, पूर्व एवं वर्तमान जिला खेल अधिकारियों तथा डीआईओ को दिया। जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी लक्ष्मण सिंह चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री पुरस्कार 2021 जिले में विकसित खेल केंद्रों, खिलाड़ियों द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक, महिला खिलाड़ियों, पैरा खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व, फिट इंडिया, खेलो इंडिया में जिला प्रशासन द्वारा किए गए नवाचार में युवा खिलाड़ियों की व्यापक स्तर पर भागीदारी के आधार पर यह पुरस्कार दिया गया है। उन्होंने बताया कि पांच चरणों में हुई लंबी चयन प्रक्रिया के बाद जिले का चयन इस पुरस्कार के लिए किया गया। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, कैबिनेट सचिव राजीव गौबा, प्रधान सचिव डॉ. पी के मिश्रा और वी श्रीनिवास सहित विशिष्ट जन उपस्थित थे।

उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन

युवा नेता आशु सिंह सुरपुरा के नेतृत्व में हुआ आयोजन, 1027 यूनिट रक्तदान

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता और उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के जन्मदिन पर बुधवार को संपूर्ण प्रदेश में विभिन्न आयोजन हुए। इसी कड़ी में जोबनेर स्थित सुरपुरा फार्म हाउस में भी राठौड़ के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद सरपंच प्रधान सहित कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और 1027 यूनिट रक्तदान किया। युवा नेता आशु सिंह सुरपुरा ने बताया कि विधान सभा में पिछले तीन दशक से गरीब आम आवाम और जनता के हितों की बात विधानसभा में पहुंचाने वाले राठौड़ के जन्मदिन पर आज रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ जिसमें युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और उसी का परिणाम रहा कि 102 7 यूनिट रक्तदान हुआ। युवाओं में रक्तदान करने को लेकर जबरदस्त उत्साह नजर आया उसी का परिणाम रहा कि कार्यक्रम में पहुंचे तीनों ब्लड बैंकों ने रक्त लेने से भी अंत में इनकार कर दिया उनका कहना था कि इतना ब्लड रखने की स्टोरेज की व्यवस्था नहीं है।

डॉ. अंजू शर्मा को डिवाइन साइंस के लिए पायनियर अवार्ड

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। हाल ही उत्तरप्रदेश के गोरखपुर में आयोजित हुए ज्योतिष में आयुर्वेद महा समागम सम्मान समारोह में जयपुर की सीनियर साउंड मास्टर डॉ. अंजू शर्मा को डिवाइन साइंस के लिए सम्मानित किया गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्मानित किया।

साउंड हीलिंग तकनीक में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए उन्हें पायनियर अवार्ड इन डिवाइन साइंस मिला। गौरतलब है कि डॉ अंजू पिछले काफी समय से साउंड बाउल हीलिंग थेरेपी के क्षेत्र में काम कर रही है और इस थेरेपी की मदद से लोगों की मानसिक व शारीरिक बीमारियों का इलाज कर रही हैं। कोविड काल में लॉकडाउन के दौरान उनके ऑनलाइन लाइव सेशन की मदद से कई लोगों को मानसिक से हो रही परेशानियों से उबरने में मदद मिली। साउंड हीलिंग में यह सब कार्य करने के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया।

उनका कहना है कि हमारे शरीर में 70 प्रतिशत पानी है और अगर अपने ऑर्गन का मूल भी खोजें तो वह भी पानी से ही बने है। ऐसे में हमारे शरीर में 90 प्रतिशत पानी माना जा सकता है। यह तकनीक वाइब्रेशन और फ्रीक्वेंसी पर काम करती है। हमारे शरीर के सेल्स में ये वाइब्रेशन पहुंचती हैं और उन समस्याओं को दूर करती हैं जिससे हम परेशान हैं। एक से डेढ़ घण्टे के कुछ सेशन में आप उस समस्या को जड़ से ठीक कर सकते हैं।

महापौर सौम्या गुर्जर ने किया वैष्णो देवी पदयात्रा का पोस्टर विमोचन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जय मां वैष्णोदेवी सेवा समिति सांगानेर की ओर से 8 मई 2022 से 25वीं विशाल वैष्णोदेवी पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। जयपुर से वैष्णोधाम कटरा तक 28 दिवसीय इस पदयात्रा की शुरूआत 8 मई 2022 को दोपहर 12:15 बजे मोती डूंगरी गणेश मंदिर जयपुर से पूजा अर्चना के साथ होगी। जय मां वैष्णोदेवी सेवा समिति के संस्थापक नारायण राजोरिया ने बताया कि पदयात्रा से संबंधित पोस्टर का विमोचन मंगलवार को ग्रेटर नगर निगम जयपुर महापौर सौम्या गुर्जर, राजस्थान जाट महासभा के महासचिव मदन चौधरी एवं एडवोकेट दिनेश कुमावत ने किया। इस अवसर पर समिति के संरक्षक गोपाल माली, संस्थापक नारायण लाल राजोरिया, कमल डोरवाल,गोपी धाकड़, जुगल शर्मा, कैलाष हलवाई आदि लोग उपस्थित थे। जय मां वैष्णोदेवी सेवा समिति के संस्थापक नारायण राजोरिया ने बताया कि 28 दिवसीय पदयात्रा के दौरान रामधुनी का निरंतर आयोजन होगा। साथ ही समिति की ओर से नाश्ता पानी और भोजन की व्यवस्था भी निःशुल्क ही की जाएगी।

राजस्थान विधानसभा में 3 कमेटियां गठित,सभापति-सदस्यों की हुई नियुक्तियां

कांग्रेस के 17, बीजेपी के 12, निर्दलीय 4 विधायकों को ज़िम्मेदारी, कटारिया-पारीक-परमार बने चेयरमैन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने विधानसभा में 3 कमेटियों का गठन किया है। जन लेखा समिति, प्राक्कलन समिति (क) और (ख) का आनुपातिक प्रतिनिधित्व के आधार पर गठन किया है। विधानसभा सचिव महावीर प्रसाद शर्मा ने बताया कि जन लेखा समिति में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द कटारिया को सभापति नियुक्त किया गया है। इसी तरह प्राक्कलन समिति-क में राजेन्द्र पारीक और प्राक्कलन समिति-ख में दयाराम परमार को अध्यक्ष नियुक्त किया है। कुल 33 विधायकों को समितियों में जिम्मेदारी दी गई है। इनमें कांग्रेस पार्टी के 17, बीजेपी के 12 और निर्दलीय 4 विधायक शामिल हैं।

ये हैं 3 समितियां और उनके सदस्य

जन लेखा समिति- गुलाबचन्द कटारिया, अध्यक्ष

परसराम मोरदिया, विनोद कुमार, गुरमीत सिंह कुन्नर, गोपाल लाल मीना, रोहित बौहरा, दिव्या मदेरणा, कालीचरण सराफ, वासुदेव देवनानी, मदन दिलावर, निर्मल कुमावत और संयम लोढ़ा को सदस्य बनाया गया है।

प्राक्कलन समिति (क) - राजेन्द्र पारीक, अध्यक्ष

भरोसी लाल जाटव, हरीश चन्द्र मीना, पानाचन्द मेघवाल, जौहरीलाल मीना, सुदर्शन सिंह रावत, जोगेश्वर गर्ग, चन्द्रकान्ता मेघवाल, अभिनेश महर्षि, राजकुमार गौड़ , रामकेश मीना को सदस्य बनाया गया है।

प्राक्कलन समितिल (ख)- दयाराम परमार, अध्यक्ष

बाबूलाल बैरवा, पदमाराम, साफिया जुबेर, दानिश अबरार, प्रताप सिंह, नरपत सिंह राजवी, पुष्पेन्द्र सिंह, सतीश पूनियां और बलजीत यादव को सदस्य बनाया गया है।

मंत्री नहीं बन सके, समिति अध्यक्ष बने दयाराम

गहलोत सरकार में मंत्री नहीं बनाए जाने पर 5 महीने पहले 6 बार के विधायक दयाराम परमार ने सीएम अशोक गहलोत को पत्र लिखकर नाराजगी जाहिर की थी। उदयपुर के खैरवाड़ा से कांग्रेस विधायक परमार ने लिखा था कि मंत्री बनने की योग्यता बताएं। मुझे मंत्री नहीं बनाया इसका अफसोस नहीं है,लेकिन कम से कम मुझे यह बताया जाए कि मंत्री बनने की कौनसी योग्यता मुझमें नहीं है। ताकि मैं वो योग्यता हासिल कर अगली बार मंत्री बनने की कोशिश करूं।

ग़रीबी का मनोविज्ञान

निर्मला कर्ण

बीपीएल कार्ड धारी जो वास्तव में गरीब होते नहीं हैं, परंतु सरकारी लाभ लेने के लिए बीपीएल से निकलना भी नहीं चाहते हैं, क्योंकि उन्हें बहुत सी सुविधाएँ मिल जाती हैं बीपीएल के अंतर्गत होने के कारण। गरीब मानकर सरकार इन्हें आज मुफ़्त का अनाज, साड़ी, धोती, मकान और जाने क्या-क्या कुल मिलाकर जीवन भर जन्म से लेकर मरण तक देती रहती है। परंतु उनकी दृष्टि में सरकार से मिली हुई मुफ़्त सामग्री की कोई महत्ता नहीं रहती।

इसी से संबंधित एक घटना मैं आज सुनाने जा रही हूँ। मेरे घर रसोई बनाने वाली बाई ललिता देवी आती है एक दिन उसने बहू से कहा - आप लोग इतना महंगा फिनाइल क्यों घर साफ़ करने के लिए लगाते हैं दुकान में बहुत सस्ता नमक मिलता है घर साफ़ करने के लिए उसको पोंछ के पानी में थोड़ा सा डालकर साफ़ करवाइगा तो घर साफ़ हो जाएगा। आप कहें तो मैं ला दूं।

बहू ने भी हाँ बोल दिया और उसने 5 पैकेट नमक लाकर रख दिया, फिर मुझसे कहा - दीदी मैंने घर पोंछने के लिए नमक ला दिया है। 10 रूपये किलो के भाव से 5 किलो है रू. 50 का।

मैं भी कहीं निकलने की हड़बड़ी में थी मैंने उसे रू. 50 दे दिया और चली गई। शाम को वापस आने के बाद मैंने बहु से पूछा - कैसा नमक का पैकेट लाई है, जरा देखूँ।

दरअसल मैं जानती नहीं थी, और मैंने कभी सुना भी नहीं था, पानी में नमक डालकर पोंछा लगाने से घर पर साफ़ हो जाएगा। इसलिए मैंने सोचा शायद जैसा बहुत पहले मेरे बचपन में ढेला वाला नमक आता था उसी प्रकार का नमक होगा जो सस्ता होगा और उससे घर साफ होता होगा।

शायद उसमें क्लीनिंग के लिए कुछ मिला होगा।

परन्तु जब देखा तो जोर का झटका लगा। वह झारखंड सरकार के द्वारा एक रुपए किलो के भाव से सब्सिडी में दिया जाने वाला आयोडाइज्ड नमक था, जो बीपीएल कार्ड धारी को सरकारी राशन की दुकान से मिलता है। मैं उसे देख कर सोचती रह गई। सरकार तो इस पर पूरा खर्च कर रही है इस नमक में ही उनका कितना करोड़ खर्चा हो रहा है, जो जा रहा है सिर्फ़ हम टैक्स देने वालों के खाते से। और यह बीपीएल धारी लोग मुफ़्त में मिलने के कारण इस आयोडाइज्ड नमक को घर पोंछा करने वाला नमक समझकर उसे बेचकर पैसा कमा रहे हैं। क्या औचित्य है ऐसे लोगों को मुफ़्त की सामग्री वितरण करने की जो इसका महत्व नहीं समझते हैं।

यह है गरीबों का मनोविज्ञान जिन्हें यदि जमीन मिले, मकान मिले, पैसा मिले वह लेंगे परंतु सामग्री जो भी मिले वह सही नहीं है मानकर यूं ही बर्बाद करेंगे। ऐसी स्थिति में कोई औचित्य है बीपीएल राशन कार्ड धारी को साड़ी, धोती, नमक या और भी कोई अन्य मुफ़्त की सामग्री देने का?

काव्य कोना

बहुत बड़ी बात

तुम्हारी अनिच्छा से उसने
तुम्हें अपना प्रेमपत्र थमाया
कोई बात नहीं
तुम्हारे प्रीतसागर से उसने
एक बूँद की आस फ़रमाया
कोई बात नहीं
तरह-तरह की कसमें खाकर
अपने इश्क़ का इज़हार किया
कोई बात नहीं
हर बार तुमने उसका
घंटों इंतज़ार किया
कोई बात नहीं
पर आज उसने
एक 'स्त्रीरोग विशेषज्ञ' से
तुम्हारा एबॉर्ट करवाया
यह बड़ी बात ही नहीं;
बल्कि इससे,
कोई बड़ी बात है ही नहीं।

टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'
घोटिया-बालोद (छत्तीसगढ़)

इश्क़ बेहिसाब

सारे काम वो लाज़वाब कर बैठी
इश्क़ हमसे वो बेहिसाब कर बैठी ।
सब देखते रहे मुझे अख़बार की तरह
वो मेरे चेहरे को क़िताब कर बैठी।
ना पीना कभी भी यह देके कसम
खुद की आँखों को शराब कर बैठी।
वफाओं का मिला यह सिला उसे
कई रातों की नींद ख़राब कर बैठी।
लिपट कर खूब रोए हम दोनों ही
वो अपनी वफ़ा का हिसाब कर बैठी।

आशीष तिवारी
निर्मल
रीवा

मर्दानगी

अभय कुमार भारती
भागलपुर(बिहार)

जवान होते अपने बेटे सुदीप की बदमाशी को देखकर पारुल का दिल कचोट उठता था। अन्तर्मन रोने लग जाता था। मगर वह अपना दर्द किसी से कह नहीं पाती थी। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करें? कैसे अपने बेटे को सही रास्ते पर लाएं?

आये दिन वह कोई न कोई शरारत कर ही देता। कभी किसी का भुट्टा तोड़ लेता तो कभी बैंगन का गाछ ही उखाड़ लेता और कोई विरोध करता तो उसकी कमर-पीठ तोड़ने में भी उसे देर नहीं लगती थी।

पारुल उसे समझा-समझा कर हार चुकी थी, मगर उस पर कोई असर ही नहीं होता था। एक कान से सुनता, दूसरे कान से निकाल देता। दिन-प्रति दिन उसकी बदमाशी बढ़ती ही जा रही थी। पारुल को आये दिन लोगों के ताने- उलाहने सुनने पड़ते थे। इससे उसका रोम-रोम बिंध जाता। कलेजा चाक-चाक हो जाता।

आँगन में बैठी अभी वह अपनी बदनसीबी को कोस ही रही थी कि सुदीप धूल-धूसरित होकर आ धमका। वह बुरी तरह हाँफ रहा था। आते ही फट पड़ा : साला हरामखोर। बहुत बनता था। खूब हेकड़ी दिखाता था। दे दिया दो -चार हाथ। ऐसा धोया कि दिन में ही बच्चू को तारे दिखने लगे। अब वह भूल से भी नहीं उलझेगा।

-- आज फिर किसी के साथ मारपीट की क्या! पारुल ने आशंका जतायी।

-- क्या करता माँ! वह मान ही नहीं रहा था। पीट दिया। अब अक्ल ठिकाने आ गयी होगी!'' कहते-कहते उसके ओठों पर विजयी मुस्कान तैर गयी। मानो कोई जंग जीत कर आया हो।

-- तू कभी नहीं सुधरेगा। शिकायत सुन-सुनकर मैं तंग आ चुकी हूँ। कहीं मुँह दिखाने लायक नहीं रही। कहते-कहते उसकी रुलाई फूट पड़ी।

- छोड़ो ये रोना-धोना। मुझे कतई पसंद नहीं। मैं जो कर रहा हूँ, सही कर रहा हूँ।

माँ-बेटे के बीच बातचीत चल रही थी, कि पड़ोस के मित्तो चाचा टपक पड़े। उसने सुदीप की कद काठी और बहादुरी की तारीफ करते हुए कहा : देखो बेटा! तुम पर हमें नाज़ है। तुम बहुत कुछ कर सकते हो, मगर बेटे! तुम रास्ता भटक गये हो। अपनी बहादुरी का ग़लत इस्तेमाल कर रहे हो। अगर इसका इस्तेमाल दुश्मनों से लड़ने और मानवता की रक्षा में करो तो सब का भला होगा और तुम सबके चहेते बन जाओगे। सुदीप कुछ नहीं बोला और सिर झुकाये अपने कमरे में आ गया। शायद उसे अपनी गलती का एहसास हो चुका था।

एक दिन मित्तो चाचा को मालूम हुआ कि सुदीप ने आज फिर कुछ कांड कर दिया। वे भागे-भागे उसके घर आये। पता चला आज वह किसी कुख्यात से ही भिड़ गया। मगर शौर्य प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि एक अबला की अस्मत बचाने की ख़ातिर, जिसे वह कामान्ध होकर तार-तार करने पर तुला था। यह देखकर न सिर्फ़ मित्तो चाचा की,बल्कि उसकी माँ पारुल की भी खुशी का ठिकाना नहीं था, आज उन्हें लगा कि सुदीप ने सही जगह अपनी मर्दानगी दिखायी है।

हाँ कोई अच्छा लगता है

हाँ कोई सपनों में आता है
हाँ किसी से बेहद बातें करना अच्छा लगता है
हाँ किसी की याद में रातों को जागना अच्छा लगता है
हाँ कोई है जो मुझे अपना सा लगता है
हाँ किसी को पाना सपना सा लगता है
हाँ ये दिल सिर्फ़ उसी शख़्स के लिए धड़कता है
हाँ ये मन बाग़ में खिले गुलाब की भांति महकता है
अब अगर तुम कहती हो कि ये इश्क़ है
तो हाँ मैं करती हूं इश्क़
और करती रहूंगी इश्क़
इतनी खूबसूरत चीज़ से क्यों महरूम रखूँ खुद को
मैं ज़िन्दा हूँ क्योंकि मैं इश्क़ में हूँ
और वो जिंदा है क्योंकि
वो मुझमें है
बस इतनी सी चाहत है
मेरी धड़कनें उसके दिल से जुड़ीं रहें

राज राघव, जयपुर

कोई पुतिन को जा कर यह समझाए

कोई पुतिन को जा कर यह समझाए
मानवता क्या होती है कुछ बतलाए।
नित नये क्रूर लड़ाके जाते हैं
निर्ममता से खून बहाए जाते हैं।
माँ, बहनों की अस्मत हैं वो लूट रहे
बद से बद्तर संहार मचाए जाते हैं।
कैसे कोई इतना नृशंस हो सकता है
कैसे पड़ौस में रक्त बहे सह सकता है।
अपना- अपना हित देश सभी हैं सोच रहे
जिनको है हथियार बेचना बेच रहे।
व्यापारी सिक्कों की खनक ही सुन पाए
कोई पुतिन को जाकर यह समझाए।
क्या नहीं पुतिन ने पढ़ीं प्रेम की गाथाएं
नहीं कभी जानीं जन-जन की अभिलाषाएं।
माँ की लोरी क्या होती है मालूम नहीं
बहना की राखी क्या होती है मालूम नहीं।
भारत के संस्कार, संस्कृति की बात निराली है
इसीलिए भारत में रहती ख़ुशहाली है।
काश! महात्मा बुद्ध ही फिर से आ जाएं
अंगुलिमाल का हृदय द्रवित ही कर पाएं।
कोई मानवता का धर्म उन्हें समझा पाए
कोई पुतिन को जाकर यह समझाए।
विश्व गुरू भारत को फ़िर बनना होगा
संदेश शान्ति का उनको देना होगा।
संयुक्त राष्ट्र को भी सख़्त रुख़ लेना होगा
जो ग़लत हो रहा बंद उसे करना होगा।
वरना ये पीढ़ी उसे नकारा कहा देगी
पीड़ित को गर नहीं सहारा यह देगी।
अब देख रहा है विश्व बड़ी उम्मीदों से
बचा सके जो विश्व को भीषण युद्धों से।
संयुक्त राष्ट्र विश्व को और न फुसलाए
कोई पुतिन को जाकर यह समझाए
मानवता क्या होती है कुछ बतलाए।

साकार
श्रीवास्तव 'फ़लक'
जयपुर

गर्मियों में राहत देगा कुकंबर लेमनेड

कुकंबर लेमनेड समर ड्रिंक्स के तौर पर बेस्ट है। गर्मियों के मौसम में अगर ठंडा-ठंडा लेमनेड मिल जाए तो मज़ा ही कुछ और होता है, ख़ासकर जब आप ऑफिस से थके-हारे घर लौटे हों।

आवश्यक सामग्री

- 2 खीरा (टुकड़ों में कटी हुई)
- 20-25 पुदीने की पत्ती
- 1/2 टीस्पून लेमन जेस्ट
- 1/2 कप नींबू का रस
- 4 टेबलस्पून शक्कर
- 5 कप पानी

सजावट के लिए

- 1/2 कप आइस क्यूब्स
- 3-4 पुदीने की पत्ती

विधि

सबसे पहले खीरे को पानी से धोकर टुकड़ों में काट लें। अब मिक्सर में खीरा और पुदीने की पत्ती डालकर अच्छ से पीस लें। फिर इसमें नींबू का रस, लेमन जेस्ट और शक्कर डालकर दोबारा मिक्सी में चला लें। तैयार है कुकंबर लेमनेड। इसे गिलास में निकालकर पुदीने के पत्तों से गार्निश कर, आइस क्यूब्स डालकर ठंडा-ठंडा सर्व करें।

प्रथम गुरु (माँ)

माँ ईश्वर का अनुपम, अमूल्य उपहार है, कैसे परिभाषित करें तुझे!

ग़र छोटा सा पौधा होता तो आसानी से रोप देते इधर या उधर, पर तुम तो संपूर्ण कल्पवृक्ष हो, तुम्हारी महिमा अपरम्पार है, अहा! कितनी सुमधुर, पावन पुनीत, सृष्टि का आधार, और जीवन का सार हो तुम! मां तो संपूर्ण ब्रह्मांड है, आदि और अनंत! कितनी उपमाएं दें माँ को अपरिभाषित है वो।

माँ हर बच्चे की प्रथम गुरु है ईश्वर ने भी उसे अपना प्रतिनिधि बनाकर इस सृष्टि पर जन्म दिया ताकि हर मां अपने बच्चे की धड़कन में समाहित रहे,एक सुरक्षा कवच की तरह आवरण है उसका, संबंधों के धरातल में मां और बच्चे का रिश्ता अगम और अथाह है, मां को अबूझ और ईश्वरीय अवतार कहना गलत न होगा। उसके स्नेह एवं ममत्व की गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल है, कल्पवृक्ष की छांव की तरह विशाल है उसके आंचल का शामियाना, उसकी गोद से ज़्यादा महफ़ूज़ कोई जगह ही नहीं है।

सरस्वती धानेश्वर
निदेशक,विश्व शांति समिति भारत. भिलाई
(छत्तीसगढ़)

माँ जो भी करती है सिर्फ़ अपने बच्चों की खुशी के लिए करती है, माँ कमज़ोर होती है, मज़बूत बनती है, संवेदनशील होती है सिर्फ़ अपने बच्चों के लिए।

माँ की महिमा का गुणगान जितना भी किया जाए वह कम ही है, दुनिया का कोई भी रिश्ता टूट सकता है पर माँ और बच्चे का रिश्ता अटूट है।

माँ शब्द में पूरी सृष्टि की सृजनात्मकता छिपी है और सृजन का वही अंश, वही भूमिका सभी जीवों में समान रूप से विद्यमान है, कोई भी बच्चा जन्म से ही सबसे पहले माँ को ही पुकारता है माँ का स्नेह और दुलार उसे हर पल लालायित करता है मां के दूध से ही उसका भरण पोषण होता है, इस संसार में तरह-तरह के जीव जंतु हैं जो भली भाति माँ के रूप में अपने बच्चे का पालन पोषण करते हैं स्वयं ईश्वर ने उन्हें यह समझ देकर इस धरती पर भेजा है माँ के हाथों ही इस सृष्टि में जीवन व्यवस्था का संचालन चलता है इसलिए कहा जाता है कि एक माँ सृष्टि सृजनकर्ता के साथ पालनहार अन्नपूर्णा और जगत जननी है, माँ के द्वारा जीवन की व्यवस्था एवं मातृत्व का संचालन होता है वह अद्भुत एवं विलक्षण प्रतिभा की धनी है।

माँ अपने शिशु को निरंतर जन्म से लेकर बड़े होने तक सुशिक्षित, संस्कार वान एवं सतत स्वालंबन की ओर लेकर जाती है।

अंततः माँ वह शक्ति है, जिसके बिना दुनिया की कल्पना नहीं की जा सकती, नमन है उस ईश्वर को जिसने मां के अस्तित्व के स्रोत को इस सृष्टि पर जन्म दिया।

यदि मैं अध्यक्ष होती...

मैं एक ग्रहणी हूं, मैं साहित्य संस्था की सदस्य भी हूँ। हमारी संस्था के अध्यक्ष बहुत ही कर्मठ और हर काम तरीके से और सही समय पर करने वाले हैं। मैं जब स्कूल में थी तो अपनी साइंस की टीचर से बड़ी प्रभावित थी उनकी कई बातें मेरे जेहन में अभी तक हैं।

रमा भाटी

आजकल के इलेक्ट्रॉनिक और कंप्यूटराइज वाले ज़माने में अगर आज मैं अध्यक्ष होती तो थोड़ा मीडिया के साथ जुड़ाव ज़रूर रखती और कोशिश करती कि संस्था में कुछ कम उम्र की सदस्यों को ज्यादा जोड़ती जो भागदौड़ करके बाहर के कामों को संभाल सकें। समय-समय पर सदस्यों के साथ व्हाट्सएप पर ही बातचीत करना, कोई गोष्ठी करनी हो तो उनकी छोटी-छोटी सलाह लेना फायदेमंद है। एक 2 महीने में सब सदस्यों को इकट्ठा कर आपस में साहित्य के बारे में बातचीत करनी चाहिए और अगर किसी बहन को किताब छपवाने या बुक विमोचन के लिए सहायता की ज़रूरत हो तो संस्था से मदद के लिए कहती। मेरा सोचना है कि कम खर्चे में दो तीन सदस्यों का इकट्ठा बुक विमोचन भी करवा सकते हैं।

अगर हमारे कुछ सदस्य और संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं तो अच्छी बात है क्योंकि वहां की कोई और बात जो हमारी संस्था के लिए भी अच्छी हो सकती है साहित्य में आगे बढ़ने के लिए तो अच्छा ही है। क्योंकि ज़माना इतना आगे बढ़ गया है हर जगह बहुत कंपटीशन है। हर सदस्य को अच्छा हो अगर एक दूसरे की साहित्य का कुछ लिखना या किसी और कार्य में मदद मिले इससे उनका आपस में जुड़ाव भी रहेगा। इस तरह नए और पुराने सदस्य अपने को एक सा समझेंगे। अगर मैं साहित्य संगम संस्थान कि अध्यक्ष होती तो यही चाहती।

पालतू जानवरों की देखभाल ऐसे करें ऐसे करें गर्मियों में

अपने पालतू जानवर से करते हैं प्यार तो ऐसे बचाएं उन्हें गर्मियों में होने वाली परेशानी से

गर्मियों के मौसम में घर से निकलते ही गर्म हवा के थपेड़े मुंह झुलसा देते हैं। चिलचिलाती धूप से जहां लोग हैरान परेशान हैं वहीं जानवर भी गर्मी से बेहाल हैं। दरअसल, जानवरों के पूरे शरीर पर बाल होते हैं। सर्दियों के मौसम में ये बाल उन्हें सर्दी से बचाते हैं लेकिन गर्मियों में शरीर पर बाल के कारण ही उन्हें ज्यादा गर्मी लगती है। इस मौसम में धूप और लू लगने से जानवर बीमार और सुस्त हो सकते हैं। ऐसे में समर सीजन में जानवरों को एक्स्ट्रा केयर की जरूरत होती है।

क्या आपने अपने घर में कोई पालतू जानवर पाला हुआ है? अगर हां, तो गर्मियों के दौरान उस पर एक्स्ट्रा ध्यान दें और उसकी केयर करें ताकि आपके पेट्स को कोई समस्या ना हो। उसे बीच-बीच में डॉक्टर को भी दिखाते रहें ताकि उचित मशवरा मिल पाए। अगर आप चाहते हैं कि आपके पालतू जानवर पर गर्मियों का कोई खास असर ना हो और वो हमेशा एक्टिव रहे तो उसकी देखभाल के लिए ये टिप्स अपनाएं।

पैरासाइट निकालें: पालतू जानवरों के शरीर में अक्सर टिक्स, फ्लीज और जुएं जैसे पैरासाइट (कीड़े) लग जाते हैं। टिक्स अक्सर मार्च से लेकर मई और अगस्त से लेकर नवंबर के बीच में जानवरों के शरीर में काफी एक्टिव होते हैं। जानवरों के शरीर से टिक्स निकालने के लिए आप हमेशा अपने साथ एंटी टिक्स स्प्रे कैरी करें। इसे अक्सर बीच-बीच में अपने पालतू जानवर के शरीर में स्प्रे करते रहें ताकि उसके शरीर में कीड़े ना लगें।

नहलाएं: गर्मियों में नहाने से फ्रेशनेस का एहसास होता है। इससे शरीर के विषैले पदार्थ बाहर निकलते हैं और शरीर का तापमान भी बैलेंस रहता है। इसलिए डॉक्टर से सलाह लेकर अपने पेट्स को नहलाने का एक रूटीन सेट कर लें। इससे आपका पालतू जानवर साफ-सुथरा तो रहेगा ही साथ ही गर्मी के कारण होने वाली परेशानी से भी बचा रहेगा।

ग्रुमिंग करें: आप आप जानते हैं आपकी ही तरह पेट्स को भी ग्रुमिंग की जरूरत होती है। पेट्स के बढ़े हुए फर काटें, उनके नाखून काटें और चेक करें कि कहीं उनके शरीर में टिक्स तो नहीं लग गए हैं। उन्हें रिलैक्स करने के लिए आप पेट्स की मसाज भी कर सकते हैं। अगर आपके पास समय नहीं है तो आप किसी अच्छे पेट सैलून में जाकर भी अपने पेट की ग्रुमिंग करा सकते हैं।

सही आहार दें: गर्मियों के अपने पेट्स को ठंडी तासीर वाली चीजें खाने को दें। आप तरबूज, खरबूज, अंगूर या केला जैसे फल अपने पालतू जानवर को दे सकती हैं। इस बात का पूरा ख्याल रखें कि आपका पालतू जानवर पर्याप्त पानी पी रहा है या नहीं। उसके हाइड्रेशन का पूरा ख्याल रखें। लेकिन उसे आइसक्रीम या चॉकलेट जैसी चीजें जिसमें कि नमक या चीनी की मात्रा होती है देने से बचें।

लक्षण पर दें ध्यान: गर्मियों में लू लगने के कारण आपका पालतू जानवर सामान्य से ज्यादा हांफ सकता है। इसके अलावा उसका हार्ट रेट बढ़ सकता है या हो सकता है कि वो बहुत लार बहाए। ऐसे में अगर आप अपने पेट्स को घर के बाहर रखते हैं तो इस बात का पूरा ख्याल रखें कि वो एकदम छायादार और ठंडी जगह में रहे। अगर ऐसा नहीं है तो अपने प्यारे पेट्स को घर के अंदर ले आएं और उसे पानी में खेलने दें। इससे उसे गर्मी से राहत महसूस होगी।

कार में ना छोड़ें: क्या आप अपने पेट्स को कार में लेकर ट्रेवल करते हैं? अगर हां, तो भूलकर भी उसे कार में अकेला ना छोड़ें। गर्मियों में महज 10 मिनट के भीतर बंद कार का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस हो सकता है। अगर आपकी कार पर सीधे धूप पड़ रही है तो इसका टेम्प्रेचर 120 डिग्री तक भी जा सकता है। ऐसे में अगर आप अपने पालतू जानवर को कार में अकेला छोड़ कर जाती हैं तो वो हीटस्ट्रोक से परेशान हो सकता है या सफोकेशन भी महसूस कर सकता है।

पंजे रखें साफ: गर्मियों के दिनों में गर्म सतह पर चलने के कारण आपके पेट्स के पंजे ना केवल जल सकते हैं बल्कि उसके शरीर का तापमान भी बढ़ सकता है। ऐसे में अपने पालतू जानवर के पंजों का पूरा ख़्याल रखें। इसे साफ करते रहें और देखें कि आपका पेट्स गर्म फर्श पर ना चले।

दिनकर जी जैसे कवि को भारत रत्न अवश्य मिलना चाहिए: सुरेश चौधरी, रचनाकार मंच

हिलव्यू समाचार

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय संस्था रचनाकार - एक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के सप्ताहांत मे एक के बाद एक तीन कार्यक्रम हुए। शनिवार संध्या 8 बजे संस्था की एनसीआर इकाई की ग़ज़ल-गोष्ठी हुई, जिसकी अध्यक्षता हिमाचल सरकार के पूर्व प्रधान सचिव डॉ विनोद प्रकाश गुप्ता 'शलभ' ने की ;मुख्य अतिथि थे विश्वप्रसिद्द ग़ज़ल गुरु श्री विजय स्वर्णकार। अन्य गज़लांकारों में उदयपुर से दीपक कुमार नागाइच रोशन, पूनम प्रकाश एवं अम्बाला से अंजलि सिफारिश, कोलकाता से पूनम सोनछात्रा ने शिरकत की। कार्यक्रम का सुन्दर संचालन माधुरी स्वर्णकार ने किया। माधुरी जी एनसीआर इकाई की प्रस्तावित अध्यक्ष भी हैं. यह सूचना संस्थापक अध्यक्ष सुरेश चौधरी ने दीं ।

गत रविवार को बहु चर्चित कार्यक्रम ज्ञानगंगा हुआ, इसमें चिंतक, विचारक और संस्थापक अध्यक्ष सुरेश चौधरी जी ने अष्ट सिद्धियों के बारे मे विस्तार से बताया कि कैसे वर्तमान समय में ये प्राप्त हो सकती हैं और वर्तमान में इनका क्या अर्थ है? कार्यक्रम का संचालन सचेतक सीए अजय गोयल जी तंजानिया ने किया। निरुपमा बिस्सी छत्तीसगढ़ से, उदयपुर से शारदेन्दु व्यास जी, प्रमिला व्यास जी एवं विद्या भंडारी जी कोलकाता से चर्चा मे उपस्थित थे।

संध्या को प्रसिद्ध काव्य गोष्ठी स्व. दुर्गावति चौधरी स्मृति गोष्ठी की 35 वीं गोष्ठी का आयोजन हुआ। यह गोष्ठी राष्ट्रीय कवि रामधारी सिंह दिनकर की पुण्यतिथि पर उनको समर्पित की गयी। संस्थापक अध्यक्ष सुरेश चौधरी ने आह्वान किया कि जैसे खिलाड़ियों तथा संगीतज्ञों इत्यादि अन्य विधा के लोगों को भारत रत्न दिया जाता है वैसे राष्ट्रीय चेतना को जागृत कर देशप्रेम से ओतप्रोत करने वाले मनीषी कवि दिनकर जी, गुप्त जी, निराला जी इत्यादि को भी भारत रत्न सम्मान मिलना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्या भंडारी जी ने की। संचालन कटक की कवयित्री रिमझिम झा जी ने और कार्यक्रम का संयोजन मौसमी प्रसाद जी ने किया।

काठमांडू से जयप्रकाश अग्रवाल, तंजानिआ से अजय गोयल, इंदौर से सना साहू जिन्होंने सरस्वती वंदना भी की, डॉ ऊषा पांडे कोलकाता, ऊषा श्रीवास्तव गाजिआबाद, सीमा विजयवर्गीय राजस्थान से एवं डॉ गोविन्द गुप्ता उत्तरप्रदेश से उपस्थित रहे ।

मुख्यमंत्री निवास पर बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की दूसरी बैठक आयोजित

71486.4 करोड़ से अधिक के निवेश के लिए प्रस्तावों को दी मंजूरीः मुख्यमंत्री

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सीएम गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास पर रविवार को बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की दूसरी बैठक आयोजित की। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि राज्य सरकार की औद्योगिक नीतियों के चलते बड़ अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के प्रदेश में औद्योगिक इकाईयाँ स्थापित करने के प्रस्ताव लगातार मिल रहे हैं। इससे राजस्थान के औद्योगिक विकास को और मजबूती मिलेगी। उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र में सेरेमिक उद्योग के लिए पर्याप्त कच्चा माल उपलब्ध है और उत्पादन के लिए गैस ग्रिड स्थापित करने की मांग है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में 71486.4 करोड़ रूपए से अधिक के निवेश के लिए प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इससे प्रदेश में 26 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। बैठक में अनुमोदित प्रस्तावों में प्रमुख रूप से ऑटो, एग्रो प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल फार्मा, सोलर एनर्जी, ग्लास एंड सिरेमिक इंजीनियरिंग सीमेंट क्षेत्रों से संबंधित है। इनमें हीरो इलेक्ट्रिक व्हीकल, होंडा कार्स, सेंट गोबिन, बोरोसिल, ओकाया, क्रिश फार्मा, लेंसकार्ट, रिन्यू पावर, एचपीसीएल मित्तल, इनोवेन्टम, टोरेन्ट पॉवर, लेंसकार्ट, सेरामेक्स, ग्रीनटो सहित कई प्रमुख उद्योग समूह शामिल है। उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि देश के विभिन्न बड़े शहरों में इंवेस्ट राजस्थान अभियान में निवेशों का उत्साह देखने को मिला है। उर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने भी औद्योगिक इकाईयों के विकास के संबंध में विचार रखे।

बैठक में राजस्व मंत्री रामलाल जाट, मुख्य सचिव उषा शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव वीनू गुप्ता, वित्त प्रमुख शासन सचिव अखिल अरोड़ा, ऊर्जा विभाग के प्रमुख शासन सचिव भास्कर.ए. सांवत, बीआईपी के आयुक्त इंद्रजीत सिंह, अतिरिक्त आयुक्त नलिनी कठोतिया उपस्थित थे।

जेडीए ने 2 दुकानों को किया ध्वस्त

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा गैर अनुमोदित योजना में जविप्रा की बिना अनुमति व स्वीकृति के व्यावसायिक प्रयोजनार्थ बनी 02 अवैध निर्माणाधीन दुकानों के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन श्री रघुवीर सैनी ने बताया कि जोन-09 के क्षेत्राधिकार में वी.आई.टी. रोड जगतपुरा में अवस्थित गैर अनुमोदित योजना 'सुनेल नगर' प्लाट नम्बर-07 में करीब 20 बाई 22 में बिना जविप्रा की अनुमति व स्वीकृति के व्यावसायिक प्रयोजनार्थ 02 दुकानों हेतु रातों-रात द्रुतगति से अवैध निर्माण किये जाने के अवधान में आते ही दिनांक 20.04.2022 को धारा 32-33 जविप्रा अधिनियम के तहत नोटिस जारी किया जाकर अवैध निर्माण हटाने हेतु पाबंद किया गया था किन्तु अवैध निर्माणकर्ता द्वारा नोटिस का कोई ज़वाब प्रस्तुत नहीं किया; ना ही निर्माण संबंधी कोई दस्तावेज़ प्रस्तुत किये। सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर किये गये निर्माणाधीन 02 अवैध

दुकानों के व्यवसायिक निर्माण को नियमानुसार आज दिनांक 25.04.2022 जोन-09 के राजस्व व तकनीकि स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मज़दूरों की सहायता से पूर्णत ध्वस्त किया गया। सम्बन्धित से ध्वस्तीकरण में जविप्रा के प्रयुक्त संशाधनों के खर्चे की वसूली सुनिश्चित की जायेगी। उक्त कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-09, 04 तथा स्थानीय पुलिस थाना-रामनगरिया का जाप्ता व प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकि शाखा की मदद से प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

28 अप्रैल को आज राजस्थान चेम्बर भवन में होगा दो पुस्तकों का विमोचन समारोह

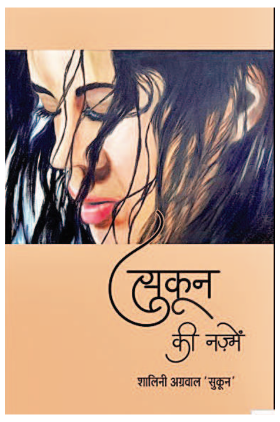

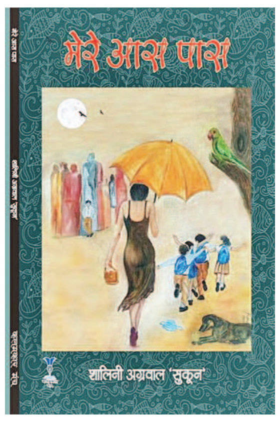

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कला-साहित्य संस्थान द्वारा आयोजित कवयित्री शालिनी अग्रवाल सुकून के दो कविता संग्रह, सुकून की नज़्में और मेरे आस-पास का लोकार्पण समारोह राजस्थान चेम्बर भवन में आयोजित किया जाएगा। जिसमें शालिनी अग्रवाल सुकून का कविता संग्रह मेरे आस- पास राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर के आर्थिक सहयोग से प्रकाशित है। यह लोकार्पण समारोह देश के जाने माने कवि, साहित्यकार श्री नंद भारद्वाज के मुख्य आतिथ्य में होगा जिस की अध्यक्षता उर्दू के शाईर समालोचक डाक्टर मोहम्मद हुसैन करेगें वहीं इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के ओ.एस.डी, कवि व्यंग्यकार कहानीकार श्री फ़ारूक़ आफ़रीदी और डॉ. के.एल. जैन होंगे तथा सुकून की नज़्में कविता संग्रह पर कवयित्री संगीता सक्सैना तथा मेरे आस-पास संग्रह पर कवयित्री उषा दशोरा पत्रवाचन करेगी तथा इस कार्यक्रम का संचालन बीकानेर के शाईर गीतकार इरशाद अज़ीज़ करेंगे।

कलेक्टर रहते 2 बार रिश्वत मांग चुके थे नन्नूमल पहाड़िया

पेट्रोल पंप की अनापत्ति प्रमाण पत्र को लेकर मिली थी शिकायत, पहाड़िया व सांखला सस्पेंड

हिलव्यू समाचार

अलवर। आईएएस नन्नूमल पहाड़िया समेत आरएएस अधिकारी सांखला और दलाल नितिन को जेल भेज दिया गया है। पूर्व कलक्टर नन्नूमल पहाड़िया एसीबी के ट्रैप में आते-आते दो बार बचे थे। फिलहाल उन्हें 5 लाख रुपए की रिश्वत मामले में ट्रैप कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तारी के बाद इस कार्रवाई में शामिल एसीबी एएसपी विजय सिंह से बातचीत में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इधर, मंगलवार शाम आदेश जारी कर पहाड़िया व सांखला को सस्पेंड कर दिया गया है। सस्पेंशन 23 अप्रैल से किया है। उप शासन सचिव ने आदेश में कहा कि एसीबी की ट्रैप कार्रवाई में दोषी माना गया है। निलंबन के दौरान आईएएस का मुख्यालय जयपुर रहेगा।

एएसपी ने बताया कि इस कार्रवाई से पहले कलेक्टर रहते हुए भी उनकी दो बार शिकायत हो चुकी थी। हालांकि उन्होंने यह बताने से मना कर दिया कि कितनी रिश्वत मांगी थी। उन्होंने बताया कि एक पेट्रोल पंप की एनओसी जारी करने को लेकर रिश्वत की डिमांड की गई थी। परिवादी ने इसकी तब शिकायत भी की थी।

मगर किसी खामी की वजह से दोनों कार्रवाई की पुष्टि नहीं हो पाई थी। इस कारण कलेक्टर रहते हुए नन्नूमल पहाड़िया बच गए थे। यदि ऐसा नहीं होता तो वह पहले ही ट्रैप हो चुके होते। अब कलेक्टर की कुर्सी से हटने के 5 दिन बाद ट्रैप हुए। यह भी सामने आया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस हाईवे बनाने वाली कंपनी के प्रतिनिधि से करीब डेढ़ साल से रिश्वत ली जा रही थी। आरएएस सांखला तो कलेक्टर की वसूली में बिचौलिया रहा। एक तरह से कलक्टर तक रिश्वत पहुंचाने, कई जगह दलाल के जरिए डिमांड कराने का काम करता था। अवैध खनन के मामले में भी वसूली की शिकायत एसीबी को मिली हैं। कई तरह से क्रशर व खनन लीज वालों को परेशान किया गया। इसकी शिकायत भी एसीबी के अधिकारियों तक पहुंची है। एएसपी ने बताया कि आईएएस ने वसूली के लिए सांखला और परिवादी को फोन किया था। फोन कर यह भी कहा गया कि पिछले महीनों की मंथली भिजवाएं। एसीबी के एएसपी ने टीम के साथ आईएएस नन्नूमल पहाड़िया के सरकारी आवास पर रेड डाली। उस दिन पहले गेट पर अफसरों ने बताया कि एसीबी से आए हैं। आईएएस नन्नूमल से मिलना है। पीए ने बताया हॉल में बैठे हैं। जैसे ही एसीबी के एसपी विजय आईएएस नन्नूमल के सामने पहुंचे। तब भी एएसपी ने आईएएस नन्नूमल को अपना परिचय दिया। इतना परिचय देते ही नन्नूमल फीके पड़ गए। वे एसीबी के सामने एक भी शब्द नहीं बोल पाए।

सांगानेर में हुआ निःशुल्क जांच आयुर्वेदिक शिविर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। गत सोमवार को वार्ड 89 सांगानेर में विशाल नाड़ी परीक्षण द्वारा निःशुल्क जांच आयुर्वेदिक उपचार शिविर का आयोजन वार्ड 89 के पार्षद गिर्राज जी शर्मा व श्री सौराष्ट्र युवक मंडल और श्री राम सेवा संस्थान ट्रस्ट गुजरात द्वारा किया गया।

आयुर्वेदिक शिविर में डॉक्टर संजय गोयानी गुजरात से 500 से अधिक लोगों ने नाड़ी जांच करवाकर आयुर्वेदिक उपचार करवाया।

कार्यक्रम में निम्न लोगों की उपस्थिति रही : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजीव चौहान, श्याम भगत, गिर्राज शर्मा, जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, नगर निगम ग्रैटर की महापौर सौम्या गुर्जर, सांगानेर भाजपा मंडल अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा, महामंत्री छोटू राम गुर्जर, संजय धाकड़, उपाध्यक्ष मुकेश कुमावत, सुनील जागा, मंत्री अशोक सालोदिया, मोनू गुप्ता, बृजेश शर्मा, कार्यालय मंत्री भगवान सिंह जादौन, आईटी संयोजक संजय मनोहर शर्मा, सह आईटी प्रमुख श्रीकांत जांगिड़, पार्षद प्रत्याशी जयकुमार बैथेडिया, रिंकू उमरवाल, दमयंती नोगिया, जगदीश हरितवाल, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष भारती अलवानी, वार्ड संयोजक रोहित प्रताप सिंह, घनश्याम छिपा, गोविंद तीर्थनी, धन कुमार जैन और बीजेपी कार्यकर्ता संजय शर्मा (संनू), अमित शर्मा, रतिराम परेवा, राकेश शर्मा, किशन शर्मा, हनुमान सैनी, अनामिका गुप्ता, माया शर्मा, महेश गुजराती सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अश्लील वीडियो बना वायरल करने की धमकी देकर 31 लाख हड़पे

हनी ट्रैप में मास्टरमाइंड महिला समेत तीन गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार

नागौर। हनी ट्रैप के मामले में मकराना थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर 24 घंटों में मास्टरमाइंड महिला रेखा कंवर पत्नी विक्रम सिंह 32 निवासी गुणावती एवं उसके दो साथियों शैतान सिंह पुत्र मदन सिंह 30 एवं विक्रम सिंह पुत्र राम सिंह 35 को गिरफ्तार किया है। इन पर अश्लील वीडियो बना वायरल करने के नाम पर 31 लाख रुपए हड़पने के आरोप है। नागौर एसपी राममूर्ति जोशी ने बताया कि 22 अप्रैल को बुलड़को की ढाणी निवासी एक व्यक्ति बिना बताए अपने घर से निकल गया।

अगले दिन उसके परिजनों ने थाना मकराना पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना पुलिस ने उसी दिन गुमशुदा को दस्तयाब किया तो उसने अपने साथ हुई घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसके अनुसार गुणावती निवासी रेखा कंवर और शैतान सिंह ने उसका अश्लील वीडियो बनाया और उसे वायरल करने की धमकी देकर 31 लाख रुपए हड़प लिये।

रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच एवं आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गणेश राम चौधरी के सुपरविजन व सीओ रविराज सिंह एवं थानाधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा के नेतृत्व में थाना मकराना से टीम गठित की गई। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई कर कॉल डिटेल के विश्लेषण एवं मुखबिर नियुक्त कर वारदात में शामिल आरोपी रेखा कंवर, शैतान सिंह एवं विक्रम सिंह को आज सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। जिनसे हड़पी गई रकम की बरामदगी के प्रयास जारी है।

हमारे वन्य जीव : लेपर्ड

प्यारे बच्चों को कविता आंट का ढेर सारा प्यार,
बच्चों एक बार मैंने आपको बताया था न् कि बिल्ली मॉसी को चकमा देकर उनके एक चतुर नेफ्यू ने पेड़ पर चढ़ना सीख लिया था! बताइये कौन था वो? याद आया ? अरे भई, वो थे जनाब लेपर्ड साहब ! हॉं बच्चों, ये जनाब इतने चतुर हैं कि इनसे केवल बंदरों को ही नहीं , ज़मीन पर रहने वाले डॉगीज़, बकरियों वग़ैरह को भी ख़तरा होता है ।

लेपर्ड को पहाड़ों और मैदानों दोनों जगह देखा जा सकता है, मगर ये जनाब खुद को छुपाने के फ़न में माहिर होते हैं। पत्तेदार पेड़ों पर तो इनके स्पॉट्स के कारण हम इन्हें देख ही नहीं पाते हैं। घने जंगलों में रहना भी बेहद पसंद करते हैं ये।

अच्छा एक बात बताइयेगा बच्चों, जब हम लेपर्ड की बात करते हैं तो आपके ज़हन में सबसे पहली इमेज किस तरह के बिग-कैट की बनती है? एक टानी फ़र पर काले चकत्तों वाले जानवर की न! क्योंकि अपने देश में सामान्यतः ये इसी रूप में पाये जाते हैं। मगर इनके भी कई रूप हैं जो दुनिया के विभिन्न हिस्सों में ज़रा-बहुत बदलाव के साथ मिलते हैं। मसलन, साउथ अमेरिका के जगुआर; एशिया के लोंग-हेअर्ड आउंस; अमेरिका के पूमा (वही पूमा जिसके नाम पर एक मशहूर कंपनी है) जिन्हें कूगर भी कहा जाता है; ट्रॉपिकल अमेरिका के ऑसीलट; या फिर हिमालय क्लाउडेड लेपर्ड , ये सब इन्हीं की किस्में हैं। क्रमशः

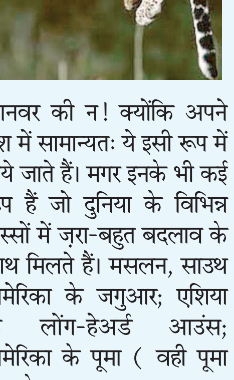

डॉ कविता माथुर, लेखिका, कवयित्री, टीवी आर्टिस्ट

'शब्द' संस्था देगी उत्कृष्ट हिंदी लेखन को एक लाख का पुरस्कार '

दक्षिण में सक्रिय हिंदी सेवी को 21 हजार का सम्मान

हिलव्यू समाचार

बेंगलूरु। देश की सॉफ्टवेयर राजधानी बेंगलूरु के हिंदी रचनाकारों की जानीमानी 'शब्द साहित्यिक संस्था' ने अपने जारी रजत जयंती वर्ष से उत्कृष्ट साहित्य लेखन तथा हिंदी के संवर्द्धन के लिए दो वार्षिक पुरस्कार देने की घोषणा की है। पहला पुरस्कार एक लाख रुपये का 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' होगा, जिसे देश के मूर्धन्य साहित्यकार को दिया जाएगा और दूसरा पुरस्कार इक्कीस हजार रुपये का ÷दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान÷ होगा, जिसे दक्षिण भारत में हिंदी भाषा और साहित्य के संवर्द्धन में उल्लेखनीय योगदान के लिए मूर्धन्य हिंदी सेवी को दिया जाएगा।

संस्था के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने बताया कि बेंगलूरु जैसे महानगर में 13 जुलाई , 1997 को स्थापित हिंदी रचनाकारों की संस्था 'शब्द' द्वारा विगत 25 वर्षों से मासिक रचना गोष्ठी तथा अन्य साहित्यिक गतिविधियां जारी है। इसी कड़ी में सालाना दो पुरस्कार दिए जाएंगे। पहला पुरस्कार आधुनिक कवि, कथाकार सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय की स्मृति में रखा गया है। इस सम्मान के लिए योग्य रचनाकार का चयन देश के प्रतिष्ठित साहित्यकारों, संपादकों, विद्वानों के द्वारा अनुशंसित कवियों एवं लेखकों के साहित्यिक अवदान तथा विगत 5 वर्षों में प्रकाशित उनकी कृतियों के पारदर्शी मूल्यांकन के आधार पर किया जाएगा। इसी तरह ÷दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान÷ के लिए भी योग्य पात्र का चयन दक्षिण भारत में रहने वाले हिंदी सेवियों, सर्जकों के बीच से किया जाएगा।

वृंदागार्डन वासियों ने बीसलपुर पानी कनेक्शन के लिए जलदाय मंत्री को ज्ञापन दिया

जयपुर। जगतपुरा खो नागोंरियान वार्ड 120 स्थित, आशियाना बिल्डर द्वारा निर्मित वृंदा गार्डन सोसायटी के प्रतिनिधि मंडल द्वारा जलदाय मंत्री महेश जोशी जी को बीसलपुर पीने के पानी कनेक्शन के लिए ज्ञापन दिया और वर्तमान समय में आ रही पानी की समस्या से अवगत कराया। मंत्री ने तुरन्त प्रभाव से सबंधित अधिकारियों की आगामी बैठक में मुख्य प्राथमिकता से मल्टी स्टोरी बिल्डरों के साथ बैठक कर बीसलपुर पानी कनेक्शन की पॉलिसी को लेकर आने का सकरात्मक आश्वासन दिया। सकरात्मक आश्वासन देने के लिए माननीय जलदाय मंत्री महेश जोशी जी का रेजिडेंट्स प्रतिनिधि मंडल द्वाराआभार और धन्यवाद किया गया। सोसायटी के मेम्बर प्रतिनिधि मंडल से जितेन्द्र बोदानी, डॉ प्रभात कुमार, एडवोकेट आशिष गौतम एवं श्रीमती अंतिमा खरे उपस्थित रहे।

राजस्थान लघु एवं मध्यम समाचार पत्र संघ का महासम्मेलन अगले महीने जयपुर में

अपने हितों व हक के लिए जुटेंगे प्रदेश के अखबार मालिक व पत्रकार संघों के प्रतिनिधि

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान के लघु व मध्यम समाचार पत्रों के मुद्दों एवं मांगों के समाधान के लिए रविवार को जयपुर में एक बैठक हुई। राजस्थान लघु व मध्यम समाचार पत्र एसोसिएशन के बैनर तले आयोजित इस बैठक में सभी पत्रकार संघों के पदाधिकारियों और समाचार पत्रों के संपादक शामिल हुए।

बैठक में लघु, मध्यम व मंझले समाचार पत्रों को नियमित तौर पर सरकारी विज्ञापन मिलने, विज्ञापन नीति में सरलीकरण, रियायती दरों पर संघों व समाचार पत्रों को जमीन आवंटन, कैशलेश मेडिकल पॉलिसी, डिजिटल पॉलिसी में लघु समाचार पत्रों को लाभ मिलने के प्रावधान किए जाने, पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने, आईएनएस की तर्ज पर जयपुर में भी समाचार पत्रों के लिए भवन निर्माण, राज्यस्तरीय कमेटियों में संघों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। चर्चा में सामने आए सुझावों व मांगों से सम्बंधित ज्ञापन माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को दिए जाने का प्रस्ताव लिया गया। साथ ही राजस्थान लघु व मध्यम समाचार संघ की ओर से लघु समाचार पत्रों की एकता और हितों के लिये अगले महीने जयपुर में एक महा सम्मेलन करने का फैसला किया गया जिसमें प्रदेश के सभी लघु व मध्यम समाचार पत्रों के प्रतिनिधि को आमंत्रित किया जाएगा। महासम्मेलन में माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को मुख्य अतिथि के तौर आमंत्रित किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार श्याम सिंह तंवर ने की। बैठक में लघु समाचार पत्र एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश गोयल, दैनिक भोर के एडिटर जसविन्दर बल, वरिष्ठ पत्रकार जगदीश जैमन, राजकुमार गुप्ता, अनिल त्रिवेदी,सन्नी आत्रेय, मांगीलाल पारीक, मुकेश चौधरी, मुकेश पारीक, जार अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा, महासचिव संजय सैनी, सुरेंद्र चौधरी, लोकेंद्र सिंह, अनिल यादव, अभय सिंह, भवानी शंकर शर्मा, श्रीलाल चतुर्वेदी, मनीष भारद्वाज, अविनाश शर्मा, ओमवीर भार्गव, दिनेश शर्मा, जतिन श्रीवास्तव, भीमसिंह लोदवाल, आर सी गौड, संजय सैनी, रजनीश शर्मा आदि पत्रकारों ने सम्मेलन को सफल बनाने एवं पत्रकारों की विभिन्न मांगों पर अपने-अपने सुझाव दिए।

भ्रूण जाँच करते हुए पाँचवीं बार पकड़ा गया डॉक्टर

राज्य पीसीपीएनडीटी थाना पुलिस ने जोधपुर में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक डॉक्टर को भ्रूण जांच के आरोप में गिरफ्तार किया है. कार्रवाई के दौरान दो सहयोगियों को भी पकड़ा गया है.

हिलव्यू समाचार

जोधपुर। राज्य पीसीपीएनडीटी थाना पुलिस ने जोधपुर में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक डॉक्टर को भ्रूण जांच के आरोप में गिरफ्तार किया है. डॉक्टर पांचवीं बार अवैध रूप से जांच करते गिरफ्तार हुआ है. वर्तमान में सरकारी सेवा से निलंबित भी चल रहा है. पुलिस ने डॉ इम्तियाज के अलावा उसके दो सहयोगियों को भी गिरफ्तार किया है. यह कार्यवाही राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निदेशक डॉ. जितेन्द्र सोनी के सुपरविजन में पुलिस इन्सपेक्टर जितेन्द्र गंगवानी ने की है.डॉक्टर इम्तियाज को पकड़ने के लिए टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी. 3 दिन तक जोधपुर में डेरा डाले रखा. शुक्रवार को एक प्रेगनेंट लेडी को डिकॉय बनाकर भेजा गया. इसके बाद शहर के शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र के सुभाष नगर में किराए के मकान में जांच करते हुए गिरफ्तारियां की गई है. इसमें मकान मालिक को भी गिरफ्तार किया गया है. क्योंकि उसे इस काम की जानकारी थी. स्टेट पीसीपीएनडीटी इकाई ने कन्या भ्रूण के अवैध परीक्षण के आरोपी डॉ इम्तियाज को हिस्ट्रीशीटर घोषित कर रखा है. पुलिस निरीक्षक जितेंद्र गंगवानी ने बताया कि स्थानीय पीसीपीएनडीटी कोऑर्डिनेटर सरला दाधीच को इसकी जानकारी मिली थी. जिसके बाद हमारी टीम 3 दिन से जोधपुर में रही. पाल रोड स्थित प्रेक्षा अस्पताल के ओटी असिस्टेंट भंवरलाल जांगिड़ से डिकॉय गर्भवती महिला के परिजनों ने संपर्क किया. जिस पर 70,000 रुपए में भ्रूण परीक्षण करना तय किया गया. शुक्रवार को सुबह भंवरलाल जांगिड़ डिकॉय प्रेग्नेंट महिला को डॉक्टर इम्तियाज के पास सुभाष नगर बीएसएनएल ऑफिस के पीछे किराए के मकान पर लेकर गया. डॉ इम्तियाज ने उसका परीक्षण शुरू किया वैसे ही टीम ने उसे दबोच लिया. इस दौरान मकान मालिक अशोक प्रजापत भी मौके पर था, उसे भी गिरफ्तार किया गया. साथ ही निजी अस्पताल के कर्मचारी को भी गिरफ्तार किया गया. पुलिस निरीक्षक जितेंद्र गनवानी ने बताया कि पूछताछ में यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि आखिरकार किन-किन निजी अस्पतालों से इनके पास जांच के लिए गर्भवती महिलाएं आती रही हैं. कौन-कौन दलाल इस काम में शामिल है?मोबाइल जितनी मशीन, दिल्ली से खरीदीः टीम ने डॉक्टर इम्तियाज से पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन बरामद की. मशीन एक मोबाइल जितनी है. जिसे आसानी से जेब में रखकर भी ले जाया जा सकता है. पूछताछ में डॉक्टर इम्तियाज ने बताया कि वह 1 साल में इस मशीन से पचास से ज्यादा जांच कर चुका है. यह मशीन उसने दिल्ली के भागीरथ पैलेस मार्केट से ढाई लाख रुपए में खरीदी थी, जिसका कहीं पर पंजीयन भी नहीं है. प्रत्येक जांच के 50 से 70 हजार वसूलते हैं, जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा इम्तियाज का होता है।

मैं लिखाकर लाया हूं, इसलिए तीसरी बार सीएम बना...

सीएम अशोक गहलोत ने फिर किया पायलट खेमे की बग़ावत का ज़िक्र, बोले... आपकी दुआओं से बच गए वरना यहां कोई और खड़ा होता

हिलव्यू समाचार

जयपुर। दिल्ली में सचिन पायलट की कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सियासी संकट का जिक्र कर दिया। गहलोत ने सिविल सर्विसेज डे पर कल्चरल इवेंट में अफसरों के सामने पायलट खेमे की बगावत का जिक्र कर खूब तंज कसे। गहलोत ने कहा, मेरे दिल में क्या है, वह मैं जुबां पर ला रहा हूं। जो सियासी संकट हुआ था, तब 34 दिन हम होटल में रहे थे, तब मैं सुबह होटल से आता, कुछ ऑफिशियल काम करता, शाम को पॉलिटिकल एक्टिविटी करते, क्राइसिस मैनेजमेंट करते। क्राइसिस बड़ा था वो, आप सबकी दुआओं से बच गए। आज यहां खड़े हैं वरना यहां कोई और खड़ा होता। मेरा ही लिखा था, यहां खड़ा होना।

गहलोत ने कहा मैं लिखाकर लाया हूं, इसीलिए तीसरी बार मुख्यमंत्री बन गया। पूरे देश में नेता कहते रहते हैं कि उनकी जाति के 35 एमएलए हैं, कोई कहता है 45 एमएलए हैं। मैं कहता हूं, मेरी जाति का राजस्थान में एक ही एमएलए है और वो मैं खुद ही हूं। पर चल रही है दुकानदारी। सियासी संकट के वक्त मैं रात को फिर होटल जाता। तब 11-12 बजे सब विधायक इंतजार कर रहे होते थे। सबको दिन भर यह चिंता लगी रहती थी कि सरकार रहेगी या नहीं रहेगी। मेरे साथ जो बैठे थे उन्हें कुछ नहीं मिल रहा था। बाहर निकलते ही उन्हें 10-10 करोड़ के ऑफर थे। मुझे गर्व है कि 34 दिन तक सारे विधायक लालच की परवाह किए बिना मेरे साथ बैठे रहे। मैं जब होटल जाता था तब विधायक मेरी बॉडी लैंग्वेज से समझ जाते थे कि सरकार आ रही है कि जा रही है। और तो और वहां जाने के बाद हम दो घंटे तक गाने सुनते थे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पहले भी कई बार सचिन पायलट खेमे की बगावत से पैदा हुए सियासी संकट का जिक्र कर चुके हैं। गुरुवार शाम को दिल्ली में सचिन पायलट ने सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद रणनीति बदलाव के सवाल पर जवाब दिया कि इसी पर तो चर्चा हो रही है, जिस पर कांग्रेस अध्यक्ष को फैसला करना है। सचिन पायलट के बयान के कुछ ही घंटों के बाद गहलोत ने सिविल सर्विसेज डे पर कल्चरल इवेंट में भाषण देते हुए फिर से बगावत को रिकॉल कर दिया। इसे सियासी जानकार कांग्रेस के खेमों के बीच शह मात के खेल से जोड़कर देख रहे हैं।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा ने जारी किया आरोप पत्र

भाजपा 5 मई से अलवर जिले से करेगी आंदोलन की शुरुआत, प्रदेश के सभी जिलों में होंगे आंदोलन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश की बिगड़ी कानून व्यवस्था, बहुसंख्यकों पर हो रहे हमले व दुष्कर्म-गैंगरेप इत्यादि मामलों को लेकर भाजपा प्रदेश मुख्यालय में प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां, उप नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने आरोप पत्र जारी किया।

इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज, प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष एम सादिक खान इत्यादि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पूनिया ने कहा कि राजस्थान शांति प्रिय प्रदेश माना जाता था, देश-दुनिया से लोग यहां रिहायश व व्यापार के लिए आते थे, लेकिन कांग्रेस सरकार के शासन में कानून व्यवस्था बडी चुनौती बन चुकी है, 40 माह में लगभग 7 लाख मुकदमे दर्ज होना और लगभग 7 हजार दुष्कर्म व छेड़छाड़ के मामले यह बानगी है कांग्रेस सरकार के शासन की। थानागाजी से लेकर अलवर, चितौड़गढ़ से लेकर दौसा तक ह्यदय विदारक वारदातों से हर किसी के रौंगते खडे हो जाते हैं, इस तरह की घटनाएं प्रदेश में आए दिन होती हैं, औसतन 18 रेप-गैंगरेप के मामले प्रतिदिन हो रहे हैं, कानून व्यवस्था बडी चुनौती बन चुकी है। इसके अलावा प्रदेश में बहुसंख्यक लोग अपनी धरती पर सुरक्षित नहीं हैं, मंदिरों को तोड़ा जा रहा है, कांग्रेस सरकार के संरक्षण में यात्रा और रैलियों पर पत्थरबाजी की जा रही है।

भाजपा ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ़ जनता की अदालत में एक आरोप पत्र जारी किया है।एक पूरी तथ्यपरख जांच रिपोर्ट करौली, दौसा, अलवर यह सारी जांच रिपोर्ट पार्टी की समिति ने घटना की जांच की, सब लागों से मिले, हम लोगों ने यह पाया कि राजस्थान की सरकार, राजस्थान के मुखिया दोषी हैं, निर्दोष लोगों को प्रताडित किया जा रहा, दोषियों को सरकार के संरक्षण में जिस तरीके से छूट मिली हुई है वो चिंताजनक, दुर्भाग्यपूर्ण है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट में राजस्थान शीर्ष पर है, महिला दुष्कर्म में 2019-20 व 2020-21 में सर्वाधिक मामले राजस्थान में हैं।

डेरा सच्चा सौदा के रूहानी स्थापना माह के पावन भंडारे पर साध संगत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। शहर के एक होटल में में डेरा सच्चा सौदा के रूहानी स्थापना माह के पावन भंडारे पर साध संगत में अनंत, अथाह, आस्था का सैलाब देखने को मिला। भीषण गर्मी में रूहानी ठंडक की फुहारें लेने के लिए हजारों की संख्या में साध संगत पहुंची। जयपुर जोन द्वारा मनाए गए भंडारे के दौरान मानवता भलाई के कार्यो को रफ्तार देते हुए डेरा सच्चा सौदा की पक्षी उद्धार मुहिम के तहत 629 मिट्टी के सकोरे (परिंडे), 229 परिवारों को एक महीने का राशन बांटा गया। साथ ही अनेक बच्चों को पौष्टिक आहार की किटें व आत्मसम्मान मुहिम के तहत महिलाओं को स्वरोजगार में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई मशीनें वितरित की गई।

वहीं, इस पावन दिन की खुशी में साध संगत अपने पारंपरिक वेशभूषा में ढोल की थाप पर राजस्थानी संस्कृति के रंग में कठपुतली बन नाचते गाते हुये पंडाल पहुंची। इस दौरान साध संगत ने हाथ खड़े कर मानवता भलाई कार्यो में बढ़-चढ़कर भाग लेने का संकल्प लिया। नामचर्चा की शुरुआत धन धन सतगुरु तेरा ही आसरा का इलाही नारा लगाकर की गई। इसके पश्चात कविराजों ने नूरे जलाल है छा गया सतगुरु प्यारा आ गया.. सहित अनेक भजनों के माध्यम से सतगुरु की महिमा का गुणगान किया। शब्दवाणी के बाद एलईडी स्क्रीन्स पर पूज्य गुरु संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां के रिकॉर्डिड अनमोल वचनों को चलाया गया। इस दौरान साध संगत को रूहानी स्थापना माह की बधाई देते हुए 45 मेंबर रणजीत सिंह व सम्पूर्ण सिंह इन्सां ने कहा कि पूज्य गुरु जी के दिशा निर्देशन में डेरा अनुयायी मानवता उद्धार के कार्य कर रहे हैं। इन कार्यों में रक्तदान, पौधारोपण, जरूरतमंदों को राशन, गरीब कन्याओं की शादी, गुर्दा दान, पक्षी उद्धार मुहिम के तहत बेजुबान पक्षियों के लिए चुग्गा पानी का प्रबंध सहित अनेक कार्य शामिल हैं।

वहीं गर्मी के मौसम में पक्षी उद्धार मुहिम के तहत बेजुबान पक्षियों की सुध लेते हुए अधिक से अधिक परिंडे लगाने का भी साध संगत ने संकल्प लिया। अंत में पूज्य गुरु जी द्वारा भेजी गई 9वीं रूहानी चिट्ठी पढ़कर सुनाई गई, जिसे सुनकर साध संगत की आंखें नम हो गई।

मेडिकल कैंप से लाभांवित हुए लोगः 45 मैंबर कुलभूषण इन्सां ने बताया कि राजस्थान संस्कृति से जुड़े सेवादारों ने लोक गायन शैली को शब्दों के माध्यम से व्यक्त किया तो साध संगत झूम उठी। 45 मैंबर रामप्रताप इन्सां ने बताया कि डेरा सच्चा सौदा के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर नन्ना फरिश्ता द्वारा लगाए गए चेकअप कैंप का साथ संगत ने लाभ उठाया। इस दौरान चिकित्सकों ने संगत के स्वास्थ्य की जांच की और जरूरत के अनुसार दवाइयां उपलब्ध करवाई।

दिल्ली में जहांगीरपुरी के पीड़ितों से मिली रूबी ख़ान

देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे दंगे सोची समझी साजिशः रूबी ख़ान

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की महासचिव रूबी खान ने कहा है कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे दंगे एक सोची समझी साजिश का हिस्सा है तथा देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने की यह साजिश है, जिसे किसी कीमत पर कामयाब नहीं होने देंगे तथा कांग्रेस पार्टी एवं इसके पदाधिकारी व कार्यकर्ता देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए आखरी सांस तक संकल्प बध होकर कार्य करेंगे। वही सांप्रदायिक ताकतों और मनुवादी सोच के लोगों पर अंकुश के लिए कार्य करते रहेंगे। साथ ही देश की गंगा, जमुनी तहजीब को प्रोत्साहित करते हुए इंसाफ पसंद लोगों को साथ लेकर चलेंगे तथा राजनीतिक रोटियां सेकने वाले स्वार्थी लोगों को बेनकाब कर इनके खिलाफ मुहिम चलाएंगे। रूबी खान ने यह बात दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में दंगा पीड़ितों से मुलाकात के दौरान कहीं। उन्होंने पीड़ितों की सुध लेते हुए हर स्तर पर उनकी सहायता करने और इंसाफ दिलाने की बात कही। उन्होंने दंगों और उसमें हुए नुकसान का जायजा लेते हुए पीड़ितों को हर संभव सहायता के लिए आश्वस्त किया। जहांगीरपुरी में हुए घटनाक्रम के सम्बन्ध में उन्होंने जहां एक ओर पीड़ितों से उनके दुख दर्द जाने वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक अधिकारियों से बात कर पीड़ितों को हर संभव सहायता दिए जाने की पैरवी की। रूबी खान ने पीड़ित महिलाओं को गले लगाया और उन्हें हौसला दिया।

रूबी खान ने यह दौरा कांग्रेस नेता अजय माकन, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी माइनॉरिटी विभाग के अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी, एआईसीसी कार्यकारी अध्यक्ष नेट्टा डी सूज़ा के साथ किया।

- **घरौंदों व इबादतगाहों पर बुलडोजर चलाना तानाशाहीः** रूबी खान ने जहांगीरपुरी की घटना की घोर निंदा करते हुए कहा कि बिना जांच, सुप्रीम कोर्ट के स्टे आर्डर के बावजूद गरीबों के घरों पर, इबादतगाहों पर बुलडोज़र चलना खुली तानाशाही है। ये सिर्फ देश की गंगा, जमुनी तहज़ीब और भाईचारे को तार तार करने की कोशिश है। जिसे किसी कीमत पर पूरा नहीं होने देंगे।
- **लोकतंत्र को बचाने के लिए कांग्रेस की रहेगी अग्रणी भूमिकाः** वहीं उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक ताकतों और मनुवादी सोच के लोगों ने इस काम को अंजाम दिया है जो कि घोर निंदनीय है और ऐसे करने वाले माफी के लायक नहीं है तथा दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिए दिया जाना जरूरी है, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो। रूबी खान ने कहा कि यह देश हमारे पूर्वजों की धरोहर है तथा इसके ताने-बाने को छिन्न-भिन्न नहीं होने देंगे और अंतिम सांसों तक देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी अग्रणी भूमिका में रहेगी।

नागौर जिले के वरिष्ठ नेता श्याम प्रताप सिंह राठौड़ हजारों समर्थकों के साथ भाजपा परिवार में शामिल

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंन्द्र राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, नागौर जिला प्रमुख भागीरथ चौधरी इत्यादि प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में नागौर जिले के समाजसेवी व पीसीसी सदस्य रहे श्याम प्रताप सिंह राठौड़ अपने हजारों समर्थकों के साथ भाजपा परिवार में शामिल हुए। डॉ. पूनियां ने श्याम प्रताप सिंह राठौड़ को दुपटटा पहनाकर भाजपा परिवार में शामिल किया। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष एम सादिक खान, नागौर देहात जिलाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह ऑडिट, जिला संगठन प्रभारी वासुदेव चावला, डीडवाना से भाजपा प्रत्याशी रहे जितेन्द्र सिंह जोधा इत्यादि उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि श्याम प्रताप सिंह राठौड़ डीडवाना से दो बार विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं, दो बार पंचायत समिति सदस्य रह चुके हैं, पीसीसी सदस्य रहे और श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं।

बदलते वक्त के साथ विद्यार्थियों के लिए आज तमाम नए करिअर विकल्प उपलब्ध हैं. आप भी अपनी रुचि के अनुसार किसी का चयन कर सकते हैं, जहां तुलनात्मक रूप से आगे बढ़ने की संभावना अधिक होती है. इंजीनियरिंग, मेडिकल अथवा बैंकिंग जैसे विकल्प तो सदाबहार हैं, जिनकी लोकप्रियता अवसरों की उपलब्धता के कारण विद्यार्थियों में निरंतर बनी रहती है.

करिअर के नए टॉप ट्रेंड्स

बदलते वक्त के अनुसार करिअर विकल्पों की सूची में अब ऐसे-ऐसे विकल्प भी शामिल हो चुके हैं, जिनके बारे में पहले सोचा भी नहीं जाता था या उनमें अधिक स्कोप नजर नहीं आता था. वर्तमान परिवेश में ऐसे नए करिअर ट्रेंड्स भी युवाओं को खूब लुभा रहे हैं. नए होने के कारण तुलनात्मक रूप से इनमें प्रतिस्पर्धा भी कम होती है.

वुड टेक्नोलॉजी

फर्नीचर निर्माण का रूप-रंग अभी तक परंपरागत ही था, पर आज के माहौल में फैशन डिजाइनिंग की तरह ही यह एक ग्लैमरस पेशा हो गया है. इससे संबंधित विभिन्न कोर्स विभिन्न संस्थानों में उपलब्ध हैं.

- इंस्टीट्यूट ऑफ वुड साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु
- गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, श्रीनगर

एडवेंचर टूरिज्म

एडवेंचर टूरिज्म के तहत ट्रैकिंग, माउंटेनियरिंग, रॉक क्लाइंबिंग, स्कूबा डाइविंग, पैराग्लाइडिंग आदि विभिन्न गतिविधियां आती हैं. इससे संबंधित विशेषज्ञ को एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर कहा जाता है, जिसे टूरिज्म डिपार्टमेंट, एडवेंचर स्पोर्ट्स क्लब, रिजॉर्ट्स आदि में अवसर मिलते हैं. आर्थिक स्थिति अनुकूल हो तो स्वरोजगार के दृष्टिकोण से भी यह क्षेत्र महत्वपूर्ण है.

- नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग, उत्तराखंड
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वाटर स्पोर्ट्स, गोवा

पेट्स स्टाइलिंग

पालतू जानवरों के शौकीनों की बढ़ती संख्या से पेट्स स्टाइलिस्ट के लिए भी अवसरों में वृद्धि हुई है, खासकर महानगरों में. पालतू जानवरों की सेहत के अलावा उनका खानपान, उनके रहने का स्थान, उनका लुक आदि कई बातें पेट्स स्टाइलिस्ट के कार्य-क्षेत्र के अंतर्गत आती हैं.

- स्कूपी स्क्रब, नई दिल्ली
- फूजी वूजी, बेंगलुरु

एमसी

एमसी (emcee) प्रोफेशनल्स को हिंदी में सूत्रधार भी कहते हैं. किसी कार्यक्रम का संचालन इनके जिम्मे होता है, चाहे वह टीवी पर प्रसारित होने वाला कोई प्रोग्राम हो अथवा कोई लाइव इवेंट. यदि आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर हो, एक से अधिक भाषाएं आपको आती हों और लोगों को बांधे रखने की आपमें क्षमता हो तो आप उचित ट्रेनिंग लेकर इस क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं.

- जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- सिम्बॉयोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन, पुणे

ई-कॉमर्स

ई-कॉमर्स के तहत विभिन्न प्रोडक्ट्स/सर्विसेज की बिक्री वेबसाइट के माध्यम से की जाती है. जैसे-जैसे ऑनलाइन कारोबार में तेजी आ रही है, ई-शॉपिंग, ई-बिजनेस, ई-टिकटिंग, ई-लर्निंग आदि के विशेषज्ञों के लिए अवसरों में भी इजाफा हो रहा है. इससे संबंधित विभिन्न संस्थानों में इससे संबंधित सर्टिफिकेट और बैचलर कोर्स में दाखिला लिया जा सकता है.

- गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- डॉ. बी.आर. अंबेडकर यूनिवर्सिटी, आगरा

एयरपोर्ट मैनेजमेंट

हवाई यात्रा की बढ़ती लोकप्रियता के मद्देनजर एयरपोर्ट मैनेजमेंट से संबंधित ट्रेंड प्रोफेशनल्स की मांग में इजाफा हुआ है. इसके तहत फ्रंट ऑफिस, कस्टमर केयर, टिकटिंग, सिक्योरिटी, हॉस्पिटलिटी आदि क्षेत्रों में मौके मिलते हैं.

- एवलन एकेडमी, मुंबई व अन्य केंद्र
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई

वाइन टेस्टिंग

इस क्षेत्र में मौके पहले भी होते थे, पर इस सेक्टर में विभिन्न कंपनियों के आने और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में विस्तार होने से वाइन टेस्टर्स के लिए अब अधिक अवसर हैं. होटल मैनेजमेंट कोर्स के दौरान इसमें विशेषज्ञता हासिल की जा सकती है.

- इंस्टीट्यूट ऑफ वाइन ऐंड बेवरेज स्टडीज, नई दिल्ली
- एशिया वाइन सर्विस ऐंड एजुकेशन सेंटर, टीडब्ल्यूए, मुंबई

ऑनलाइन गेम डेवलपर

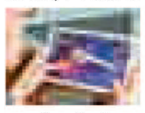

ऑनलाइन गेम्स हों या कंप्यूटर पर खेले जाने वाले गेम्स, इनकी लोकप्रियता बच्चों, किशोरों और युवाओं में काफी अधिक है. इस फील्ड में सदैव नए-नए प्रयोगों की गुंजाइश रहती है. इसलिए मल्टीमीडिया और एनिमेशन से संबंधित पाठ्यक्रमों को पूरा करने के बाद गेम डेवलपर के रूप में करिअर की दिशा निर्धारित की जा सकती है.

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- मैक, कई केंद्र

इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स

इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स का संबंध पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क आदि से है. आज के माहौल में लॉ एक्सपर्ट, चार्टर्ड एकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी, एमबीए (फाइनेंस) आदि प्रोफेशनल्स के लिए इससे संबंधित पाठ्यक्रम बेहद उपयोगी हैं.

- नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- बायोइन्फॉरमेटिक्स इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, नोएडा

साइबर लॉ

इंटरनेट की लोकप्रियता ने साइबर अपराधों में भी इजाफा किया है. इन पर लगाम कसने के लिए साइबर लॉ के विशेषज्ञों की आज काफी मांग है. आनेवाले समय में इस मांग में और इजाफा होने की उम्मीद है.

- एशियन स्कूल ऑफ साइबर लॉ, पुणे
- डिपार्टमेंट ऑफ लॉ, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली

हेल्थकेयर मैनेजमेंट

उन्नत होती चिकित्सा सुविधाओं और फाइव स्टार होटलों के रूप में विकसित होते अस्पतालों के कारण हेल्थकेयर मैनेजरों के लिए मौके उत्पन्न हुए हैं.

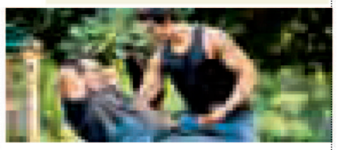

फिटनेस एक्सपर्ट

पिछले कुछ वर्षों से सेहत को लेकर लोगों में जागरूकता काफी बढ़ी है. यही कारण है कि बेहतर शारीरिक और मानसिक तंदुरुस्ती के मद्देनजर हर आयु वर्ग के लोगों के लिए फिटनेस एक्सपर्ट की जरूरत महसूस की जाने लगी है. स्कूल, कॉलेज, जिम, फिटनेस सेंटर आदि जगहों पर फिटनेस एक्सपर्ट अपनी सेवाएं दे सकते हैं.

- इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन ऐंड स्पोर्ट्स साइंस, नई दिल्ली
- के एलेवेन फिटनेस एकेडमी, मुंबई

बिना कोचिंग के क्लियर किया UPSC

बनीं IFS ऑफिसर

सक्सेस STORY

यूपीएससी परीक्षा के लिए हर कोई अपने हिसाब से रणनीति बनाकर तैयारी करता है. इससे पहले सभी प्रेरणा लेने के लिए टॉपर्स की सक्सेस स्टोरी भी जरूर पढ़ते हैं. यूपीएससी परीक्षा 2020 में 23वीं रैंक हासिल करने वाली सदफ चौधरी युवाओं के लिए किसी मिसाल से कम नहीं हैं. सदफ चौधरी वर्तमान में इंडियन फॉरेन सर्विस (IFS) ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं. यूपीएससी परीक्षा की तैयारी के लिए उनकी स्ट्रैटेजी आपके भी काफी काम आ सकती है.

रुड़की के मोहितपुर गांव की रहने वाली सदफ चौधरी ने 2 साल तक कड़ी मेहनत करके यूपीएससी परीक्षा की तैयारी की थी. उनके पास ज्यादा रिसोर्सेस नहीं थे और इसलिए उन्होंने घर पर रहकर ही सेल्फ स्टडी की थी. सदफ का मानना है कि यूपीएससी की जर्नी बहुत पहले से शुरू हो जाती है. आप कैसी किताबें पढ़ रहे हैं, आपके दोस्त कैसे हैं, आपकी संगति कैसी है, किस तरह की चीजों में आप हिस्सा ले रहे हैं, इन सब चीजों का यूपीएससी पर बहुत असर पड़ता है.

2018 में शुरू की तैयारी

सदफ चौधरी ने साल 2018 में यूपीएससी परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी थी. उनका ज्यादातर समय किताबों के बीच गुजरता था और इन दो वर्षों में उन्होंने खूब मेहनत थी. इस दौरान उन्होंने बाहरी दुनिया से इंटरैक्शन काफी कम कर दिया था. छोटे शहर या गांव में होने के कारण गाइडेंस भी उतना अच्छा नहीं मिल पाता था.

तैयारी से पहले प्लानिंग सबसे जरूरी

सदफ कहती हैं कि यूपीएससी परीक्षा की तैयारी से पहले प्लानिंग करना जरूरी है. अपने प्रति ईमानदार रहिए. तैयारी को लेकर 80 प्रतिशत फिक्स रहिए. अपनी योजना में 20 प्रतिशत ऊपर-नीचे कर सकते हैं. एक टॉपिक को 10 किताबों में पढ़ने के बजाय एक ही जगह से पढ़ें. अपने नोट्स बनाएं और उनका रिवीजन करते रहें.

पहली बार में नहीं निकला था प्रिलिम्स

सदफ चौधरी अपने पहले अटेंप्ट में प्रिलिम्स परीक्षा नहीं निकाल पाई थीं. ऐसे में वे परेशान जरूर हो गई थीं लेकिन हताश नहीं हुई थीं. इस जर्नी ने उन्हें बहुत कुछ सिखा दिया था. वे पहले से भी ज्यादा मोटिवेटेड हो गई थीं और नेक्सट अटेंप्ट में यूपीएससी परीक्षा पास करने का हौसला दोगुना कर लिया था.

पार्ट टाइम जॉब से बढ़ेगा एक्सपीरियंस, मिलेगा डबल फायदा

आप कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हों या कहीं नौकरी, पार्ट टाइम जॉब आपके लिए हमेशा एक बेहतरीन करिअर ऑप्शन साबित होती है. इन दिनों पार्ट टाइम जॉब का ट्रेंड काफी हिट है. अपनी जॉब या कॉलेज में पढ़ाई के बाद फ्री टाइम में लोग हॉबी बेस्ड या करिअर ओरिएंटेड पार्ट टाइम जॉब ढूंढ लेते हैं. इससे उन्हें करिअर ग्रोथ में काफी मदद मिलती है.

कई ऐसे काम होते हैं, जिन्हें घर पर रहते हुए भी आसानी से किया जा सकता है. जिन लोगों की कंटेंट राइटिंग में दिलचस्पी होती है, वे अपने फ्री टाइम में फ्रीलांस प्रोजेक्ट उठा लेते हैं. अगर आप भी ऐसी किसी फील्ड में हैं, जिसमें पार्ट टाइम जॉब करने का मौका मिल सकता है तो उसका फायदा जरूर उठाएं. इससे साइड इनकम के साथ ही आपकी स्किल्स में भी ग्रोथ होगी.

अपनी फील्ड में करें

आप जिस फील्ड में पढ़ाई कर रहे हों या ट्रेनिंग कोर्स कर रहे हों, उसी में पार्ट टाइम जॉब करना ज्यादा बेहतर रहता है. इससे उस फील्ड का अच्छा एक्सपीरियंस हासिल हो जाता है, जिससे भविष्य में उसी क्षेत्र में नौकरी भी मिल सकती है. पार्ट टाइम जॉब को ट्रेनिंग की तरह ट्रीट किया जाना चाहिए. इससे कमाई तो होती ही है, आगे करिअर की राह भी आसान हो जाती है. अगर आप जॉब से टाइम निकालकर पार्ट टाइम जॉब कर रहे हों तो हॉबी बेस्ड ऑप्शन भी सेलेक्ट कर सकते हैं.

वर्क कल्चर को समझना होगा आसान

अगर किसी कंपनी में पार्ट टाइम जॉब करने का मौका मिलता है तो इससे वहां के वर्क कल्चर को समझने में मदद मिलती है. वहां मिलने वाले एक्सपोजर से भविष्य में काफी फायदा होता है. पार्ट टाइम काम करते हुए आप कई जरूरी बातें सीख लेते हैं. इससे वर्क डिसिप्लिन की भी जानकारी मिलती है. पार्ट टाइम जॉब करने से टाइम मैनेजमेंट, टीम वर्क, क्रिएटिविटी, मल्टी टास्किंग और लीडरशिप की क्वालिटी भी बढ़ती है.

हर चीज के बीच बनाएं सही बैलेंस

अगर आप पार्ट टाइम जॉब करते हैं तो अपनी पढ़ाई और काम के बीच संतुलन बनाकर चलना होगा. इससे आपकी पढ़ाई या ट्रेनिंग को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए. पार्ट टाइम जॉब का मकसद सिर्फ पैसा कमाना नहीं होना चाहिए. कई कंपनियों का वर्किंग शेड्यूल काफी फ्लेक्सिबल होता है. वहां आप अपने हिसाब से काम कर सकते हैं, लेकिन जरूरी नहीं है कि स्थिति हमेशा आपके अनुकूल ही हो. ऐसे में अपनी पढ़ाई या प्राइमरी जॉब को तरजीह दें.

रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप के लिए आवेदन खुल गए हैं. इस स्कॉलरशिप के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर विज्ञान, गणित व कंप्यूटिंग और इलेक्ट्रिकल तथा / या इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में डिग्री प्रोग्राम करने वाले भारत के सभी संस्थानों के प्रथम वर्ष के अंडरग्रेजुएट व पोस्टग्रेजुएट छात्र आवेदन कर सकते हैं. सामाजिक भलाई के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाले छात्रों के लिए ये स्कॉलरशिप वरदान साबित हो सकती है.

रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप

मिलेगी लाखों रुपये की ग्रांट

दरअसल, उन्हें ग्रांट अवार्ड के साथ-साथ बेहतरीन डेवलपमेंट प्रोग्राम भी दिए जा सकते हैं. इसके तहत 60 अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट्स को 4 लाख रुपये तक की ग्रांट दी जाएगी, जबकि 40 पोस्टग्रेजुएट छात्रों को 6 लाख रुपये तक की ग्रांट मिल सकती है. साल 2021 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कंप्यूटर विज्ञान में रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप के तहत 76 प्रथम वर्षीय अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट छात्रों को छात्रवृति मिली थी. छात्रों को ग्लोबल एक्सपर्ट्स के साथ बातचीत करने और उनके साथ विचार साझा करने का अवसर मिलेगा. यही नहीं, छात्र मेंटरिंग, इंटर्नशिप, वॉलेंटियरिंग के लिए भी अप्लाई कर सकेंगे. रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप के तहत एक कड़ी और प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया के तहत भारत के सबसे ब्राइट स्टूडेंट्स को खोजा जाएगा.

चयन प्रक्रिया

चयन प्रक्रिया में एक ऑनलाइन एप्लीकेशन और भारतीय और अंतरराष्ट्रीय एक्सपर्ट्स के एक पैनल के साथ इंटरव्यू भी शामिल होगा. स्कॉलरशिप मेरिट के आधार पर दी जाएगी. रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने की कोई फीस नहीं है. आसान शब्दों में समझें तो आप इसके लिए निशुल्क अप्लाई कर सकते हैं.

प्रोडक्ट मैनेजर में चाहिए रिसर्च स्किल्स

प्रोडक्ट को ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए लम्बी रिसर्च की जरूरत होती है. इसे एक टीम के साथ मिलकर तैयार किया जाता है. इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रोडक्ट मैनेजर की होती है. आइए जानते हैं कि सफल उत्पाद तैयार करने के लिए प्रोडक्ट मैनेजर में कौन सी स्किल्स होनी जरूरी है.

खतरों से निपटने का तरीका

एक कामयाब प्रोडक्ट बनाने के लिए मार्केट रिसर्च बहुत जरूरी है. कंज्यूमर क्या चाहता है, उसकी डिमांड और मार्केट में बढ़ते कॉम्पिटीशन से निपटने के लिए रिसर्च करना जरूरी है. रिसर्च स्किल्स और आंकड़ों की एनालिसिस एक प्रोडक्ट मैनेजर को नये मौके और खतरों से निपटने का तरीका सिखाते हैं. एक प्रोडक्ट को सफल बनाने के लिए प्रोडक्ट मैनेजर को भविष्य के विजन को समझने की जरूरत होती है.

एनालिटिकल

मार्केटिंग से जुड़ी रिसर्च के बाद एक प्रोडक्ट मैनेजर को यह तय करना पड़ता है कि प्रोडक्ट से जुड़े निर्णय कब और कैसे लेने हैं. इसके लिए मार्केटिंग रिसर्च के आंकड़ों की एनालिसिस जरूरी है. यह एनालिसिस प्रोडक्ट को बेहतर करने के साथ कंज्यूमर के मुताबिक तैयार करने में मैनेजर की मदद करती है.

डेलिगेशन

एक प्रोडक्ट मैनेजर को यह मालूम होना चाहिए कि उसकी टीम का कौन सा मेम्बर किस तरह के काम को बेहतर कर सकता है. उन्हें, उन्हीं के मुताबिक टास्क देना भी एक स्किल है. इस डेलिनेशन स्किल की मदद से लक्ष्य को समय से हासिल किया जा सकता है और टीम मेम्बर्स एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करते हैं.

कम्युनिकेशन

एक प्रोडक्ट मैनेजर में कम्युनिकेशन स्किल होना कई मायनों में जरूरी है क्योंकि क्लाइंट के साथ मीटिंग और प्रेजेंटेशन से लेकर हर एक जरूरी बात साझा करना पड़ता है. इस दौरान उनकी जरूरत को समझना, लिखना और ध्यान से सुनना जरूरी है. इसलिए प्रोडक्ट मैनेजर के लिए कम्युनिकेशन स्किल अहम है. कम्युनिकेशन स्किल टीम के साथ लक्ष्य हासिल करने के लिए भी होना जरूरी है. प्रोडक्ट को सफल बनाने और उसे ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए एक बेहतरीन टीम और टैलेंटेड प्रोडक्ट मैनेजर की जरूरत होती है. प्रोडक्ट मैनेजर के नेतृत्व में ही टीम आगे बढ़ती है.

लिंक्डइन पर जॉब ढूंढ़ते समय न करें गलतियां

ऑनलाइन जॉब सर्चिंग के मामले में लिंक्डइन एक बेहतर प्लेटफार्म माना जाता है क्योंकि यहां रिक्रूटर को सीधे रेज्युमे भेज सकते हैं, उनसे अपने सवालों के जवाब पा सकते हैं और जॉब प्रोफाइल को समझ भी सकते हैं. इस प्लेटफॉर्म पर जॉब सर्चिंग के दौरान अक्सर कैंडिडेट्स कुछ गलतियां करते हैं, जिनसे बचने की जरूरत है, ताकि कम समय में जॉब पाना आसान हो सके.

सिर्फ कमेंट करने से बात नहीं बनती

जब भी एचआर मैनेजर जॉब के लिए पोस्ट डालता है तो उसमें अप्लाई करने की पूरी प्रॉसेस होती है. इसे ठीक से पढ़ें और रेज्युमे ई-मेल करें. ज्यादातर कैंडिडेट पोस्ट पढ़ने के बाद कमेंट में 'इंटरेस्टेड' लिखते हैं. इससे आपको जॉब मिलने की संभावना कम हो जाती है. ऐसा करने से बचें क्योंकि कई बार एचआर के पास इतना समय नहीं होता कि वह सबकी प्रोफाइल को चेक कर सके.

बेवजह एचआर मैनेजर को मैसेज करने से बचें

कई कैंडिडेट्स बार-बार एचआर मैनेजर को भविष्य में जॉब होने पर इंफॉर्म करने के लिए कहते हैं, ऐसा करने से बचें. जब भी किसी कंपनी में जॉब निकलती है तो सीधे एचआर मैनेजर पोस्ट के जरिए जॉब के बारे में बताता है. यह जानकारी मिल सके, इसके लिए अपने फील्ड से जुड़ी कंपनियों के एचआर मैनेजर को अपनी प्रोफाइल से जोड़ें.

जॉब की-वर्ड्स जरूरी

जॉब सर्च करने के लिए अपनी प्रोफाइल से जुड़े की-वर्ड सर्च करें. इससे जॉब ढूंढ़ना आसान होता है. ध्यान रखें कि मनपसंद प्रोफाइल मिलने पर डेडलाइन से पहले रेज्युमे भेजें और कवर लेटर जरूर शामिल करें.

डर्मेटोलॉजिस्ट : बनिए त्वचा के विशेषज्ञ

आज के समय में लोगों को स्किन, बाल और नाखून से जुड़ी कई तरह के समस्याएं हो रही हैं. आप डर्मेटोलॉजी में पढ़ाई करके स्किन स्पेशलिस्ट बन सकते हैं. आज के समय में अगर किसी को एक छोटी सी भी स्किन से जुड़ी समस्या हो जाती है तो लोग उससे परेशान हो जाते हैं. यही कारण है कि इस समय स्किन स्पेशलिस्ट डॉक्टर का दायरा बढ़ता जा रहा है.

अगर आप एक स्किन स्पेशलिस्ट डॉक्टर बनना चाहते हैं तो आपको डर्मेटोलॉजी की पढ़ाई करनी होगी. डर्मेटोलॉजी में आपको स्किन, बाल और नाखून आदि के बारे में पढ़ाया जाएगा. डर्मेटोलॉजी अध्ययन शोध और सामान्य विकारों, रोगों, कैंसर, कॉस्मेटिक और त्वचा की उम्र बढ़ने की स्थिति, वसा, बाल, नाखून, जनन झिल्ली और विभिन्न जांचों द्वारा इनका प्रबंधन के अलावा थेरेपी के बारे में पूरी जानकारी दी जाएगी. इसे पढ़ने के बाद आप एक स्किन स्पेशलिस्ट डॉक्टर यानी डर्मेटोलॉजिस्ट बन सकते हैं. डर्मेटोलॉजी में मेडिकल और सर्जिकल दोनों शामिल हैं. डर्मेटोलॉजी में स्पेशलिस्ट फिजिशियन को डर्मेटोलॉजिस्ट कहते हैं.

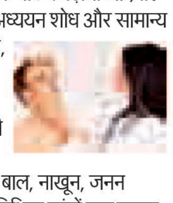

एजुकेशन

आज के समय में डर्मेटोलॉजी अत्यधिक कॉम्पिटीशन वाला मेडिकल फील्ड बन गया है. इस फील्ड में कई वर्षों की शिक्षा और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है. यहां करिअर बनाने के लिए आपको पीसीबी के साथ 12वीं पास करने के बाद में आप बैचलर ऑफ मेडिसिन, बैचलर ऑफ सर्जरी (MBBS) कोर्स कर सकते हैं. MBBS के बाद आप इसमें मास्टर डिग्री प्रोग्राम और डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (MD) भी कर सकते हैं.

कोर्सेस

- डिप्लोमा इन डर्मेटोलॉजी
- ग्रेजुएशन इन डर्मेटोलॉजी
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोसी
- मास्टर ऑफ साइंस इन डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोसी
- डॉक्टर ऑफ मेडिसिन इन डर्मेटोलॉजी एंड वेनेरोलॉजी

एडमिशन प्रोसेस

डर्मेटोलॉजी के लिए कैंडिडेट राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के माध्यम से MBBS कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं. वहीं एम्स में प्रवेश के लिए कैंडिडेट को एम्स की प्रवेश परीक्षा देनी होती है. अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान में प्रवेश लेने के लिए उस संस्थान की मेडिकल प्रवेश परीक्षा पास करनी होगी. वैसे हर कॉलेज व संस्थान में एडमिशन प्रक्रिया बदलती रहती है. ऐसे में कैंडिडेट उस कॉलेज और विवि के वेबसाइट पर जाकर लेटेस्ट जानकारी प्राप्त कर सकते हैं.

करिअर स्कोप

त्वचा की समस्याओं के कारण आने वाले समय में डर्मेटोलॉजिस्ट की डिमांड बढ़ रही है. डर्मेटोलॉजिस्ट के लिए बहुत सारे रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं. ये किसी भी अस्पताल के डर्मेटोलॉजी विभाग में काम कर सकते हैं. डर्मेटोलॉजिस्ट सरकार और प्राइवेट दोनों अस्पतालों में जॉब कर सकते हैं. इसके साथ ही वे शिक्षण का विकल्प भी चुन सकते हैं और विदेशों में नौकरी कर सकते हैं. यहां पर आप प्रोफेसर, स्किन स्पेशलिस्ट, थेरेपी मैनेजर और प्रोडक्ट मैनेजर जैसे पदों पर रहकर कार्य कर सकते हैं.

प्रमुख संस्थान

किसी भी क्षेत्र में एक अच्छा करिअर बनाने के लिए आपमें महत्वपूर्ण स्किल होने के साथ एक अच्छे कॉलेज में प्रवेश लेना भी जरूरी है. डर्मेटोलॉजिस्ट बनने के लिए आप कुछ प्रमुख कॉलेजों में एडमिशन ले सकते हैं.

- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली
- महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइन्स
- गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, नागपुर
- पद्मश्री डॉ डी.वाई. पाटिल यूनिवर्सिटी
- एसआरएम यूनिवर्सिटी
- क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर
- सशस्त्र संसाधन चिकित्सा कॉलेज, पुणे
- कस्तूरबा चिकित्सा कॉलेज, मुंबई
- जवाहर लाल नेहरू इंस्टी. ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च.

भारत में हर छोटी-बड़ी कंपनी को अपने प्रोडक्ट्स या सर्विस को कस्टमर्स तक पहुंचाने के लिए ब्रांड मैनेजर की जरूरत पड़ती है. यहां तक कि ब्लॉगर्स या इन्फ्लुएंसर्स भी ब्रांड मैनेजर की मदद से अपना प्रमोशन कर रीच बढ़वाते हैं. भारत में ब्रांड मैनेजर के तौर पर करिअर बनाने में काफी स्कोप है. इन दिनों हर कंपनी ब्रांड मैनेजर की मदद से अपने प्रोडक्ट्स या सर्विस को ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की कोशिश करती है. साथ ही मार्केट और लोगों के बीच छवि दुरुस्त रखने में भी मदद मिलती है. एक ब्रांड मैनेजर के बिना मार्केट में सर्वाइव कर पाना आसान नहीं है.

ब्रांड मैनेजमेंट में शानदार स्कोप

क्रिएटिव लोग हैं पहली पसंद

कोई भी ट्रेंड बहुत तेजी से बदलता है. मार्केट में बने रहने के लिए नए-नए आइडिया की जरूरत होती है. इन्हीं की बदौलत अपने ब्रांड को ग्राहकों के बीच मशहूर बनाया जा सकता है. क्रिएटिविटी के आधार पर ही ब्रांड प्रमोशन के नए तरीके ईजाद किए जाते हैं. इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए मार्केट रिसर्च, एनालिसिस, सेल्स और प्रोडक्ट के प्रमोशन की प्लानिंग जैसी स्किल्स की भी जानकारी होनी चाहिए.

शैक्षणिक योग्यता

एक सफल ब्रांड मैनेजर बनने के लिए ब्रांड मैनेजमेंट या मैनेजमेंट में डिग्री या डिप्लोमा होना जरूरी है. भारत के कई संस्थानों में इसके लिए अलग-अलग कोर्स करवाए जा रहे हैं. आप चाहें तो शॉर्ट टर्म कोर्स भी कर सकते हैं.

करें ये कोर्स

ब्रांड मैनेजमेंट के क्षेत्र में करिअर बनाने के लिए आप इन कोर्सेस में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं- मार्केट रिसर्च, एनालिसिस ऑफ मार्केटिंग ट्रेंड, कंज्यूमर डिमांड, ब्रांड लॉन्च एंड यूएसपी, ब्रांड रिसर्च, ब्रांड प्रमोशन और डिस्ट्रिब्यूशन आदि. इन सभी कोर्सेस की मदद से करिअर में काफी ग्रोथ हासिल की जा सकती है.

इसमें बहुत है स्कोप

औसतन एक ब्रांड मैनेजर को जॉब की शुरुआत में 30 हजार से 50 हजार रुपये तक की सैलरी ऑफर की जाती है. इसमें समय के साथ एक्सपीरियंस के आधार पर इंक्रीमेंट होता रहता है. अपनी प्रतिभा की बदौलत आप प्रमोशन भी पा सकते हैं. कई कंपनियों में विदेश जाने का अवसर भी मिल जाता है.

ब्रांड मैनेजर में देखे जाते हैं ये गुण

इस क्षेत्र में सफल होने के लिए क्रिएटिविटी के साथ ही लॉजिकल रीजनिंग और कम्युनिकेशन स्किल्स का बेहतर होना भी जरूरी है.

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

कलमकार मंच द्वारा प्रकाशित राजस्थान के सात लेखकों की किताबों का लोकार्पण

देश और जनहित सर्वोपरि थे चौधरी चरणसिंह के लिएः पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह

माली की तरह अपनी भूमिका निभा रहे हैं वरिष्ठ साहित्यकारः आफ़रीदी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। देश की अग्रणी साहित्य संस्था कलमकार मंच की ओर से प्रकाशित राजस्थान के सात लेखकों की किताबों के लोकार्पण समारोह में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि समारोह में महिला लेखकों की किताबों का लोकार्पण हुआ और उन्हें सम्मान मिला। मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह के व्यक्तित्व का जिक्र करते हुए कहा कि वे सही मायनों में एक ऐसे नेता थे जिनके लिए देश और जनहित सर्वोपरि थे। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार नंद भारद्वाज ने की। कलमकार की ओर से प्रकाशित किताबों के इस सेट में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह के जीवनी ग्रंथ का भी प्रकाशन किया गया है। यह किताब 548 पृष्ठ की है जिसमें बहुत से महत्वपूर्ण किस्सों, अनछुए पहलुओं को तथ्यों व प्रमाणिकता के साथ समाहित किया गया है। मोतीडूंगरी स्थित होटल साहिब्स हैरिटेज में आयोजित इस समारोह में देश के ख्यात साहित्यकार भरत ओला के कहानी संग्रह 'भूत' और राजेन्द्र कसवा लिखित पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह के जीवनी ग्रंथ 'किसान प्रणेता चौधरी चरणसिंह' के साथ कैलाश भारद्वाज के काव्य संग्रह 'त्रय महिपा', शालिनी अग्रवाल 'सुकून' के काव्य संग्रह 'मेरे आस पास', भारत दोसी के कहानी संग्रह 'महुडी' पूनम भाटिया के काव्य संग्रह 'प्रेम रागिनी' और जया वैष्णव के काव्य संग्रह 'नभ से विशाल मैं' का लोकार्पण पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह, वरिष्ठ साहित्यकार नंद भारद्वाज, मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी वरिष्ठ व्यंग्यकार फारूक आफरीदी, डॉ. सत्यनारायण, लोकेश कुमार सिंह 'साहिल', कलमकार मंच के राष्ट्रीय संयोजक निशांत मिश्रा, पूर्व आईएएस सत्यनारायण सिंह, प्रोफेसर होशियार सिंह, किस्सागोई फेम लेखिका उमा और रामगंज एसीपी सुनील प्रसाद शर्मा ने बड़ी संख्या में उपस्थित साहित्यप्रेमियों की मौजूदगी में किया। समारोह के प्रारंभ में कलमकार मंच के राष्ट्रीय संयोजक निशांत मिश्रा ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि समय बदल रहा है, किताब पाठकों तक पहुंचे इसके लिए प्रकाशक और लेखक दोनों को सम्मलित प्रयास करने होंगे।

वरिष्ठ व्यंग्यकार एवं मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी फारूक आफरीदी ने इस अवसर पर समारोह में बड़ी संख्या में युवा साहित्यकार मौजूद हैं और वरिष्ठ साहित्यकार भी। वरिष्ठ साहित्यकार वर्तमान में युवा पीढ़ी को आगे लाने के लिए माली की भूमिका निभा रहे हैं।

इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार नंद भारद्वाज, फिल्म पटाखा फेम लेखक चरणसिंह पथिक, डॉ. सत्यनारायण, लोकेश कुमार सिंह 'साहिल', पूर्व आईएएस सत्यनारायण सिंह, प्रोफेसर होशियार सिंह, एसीपी सुनील प्रसाद शर्मा सहित किताबों के लेखकों ने भी अपने विचार रखे। संचालन डॉ. उषा दशोरा ने किया। अंत में लेखक महेश कुमार ने आगुन्तकों का आभार व्यक्त किया। समारोह में फिल्म निर्माता-निर्देशक गजेन्द्र एस. श्रोत्रिय, राज जांगिड़, वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार विनोद भारद्वाज, प्रबोध गोविल, प्रेमलता शर्मा, नवल पांडेय, चित्रकार चन्द्र प्रकाश गुप्ता, अमरबीर सिंह 'शंटी', प्रेरक मिश्रा सहित अनेक साहित्यप्रेमी मौजूद थे।

अंतरराज्यीय चोर गिरोह का खुलासा

मध्यप्रदेश में एक ही गांव के निवासी चार जनों को पीछा कर आगरा से किया गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय चोर गिरोह का खुलासा किया है। थाना पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों दीपक सिसोदिया पुत्र दिलीप उर्फ पोला (20), मोनू सिसोदिया पुत्र शोभाराम (19), चंदन सिंह पुत्र जगजीवन सिंह (26) तथा हरवीर सिंह पुत्र शिवचरण सिंह (39) निवासी कड़ियासांसी थाना बोडा जिला राजगढ़ मध्य प्रदेश को गिरफ्तार किया है।

प्रतापगढ़ एसपी अमृता दुहन ने बताया कि 23 मार्च को पीएनबी शाखा प्रतापगढ़ से केसीसी के ?214000 निकाल कर ला रहे थाना सुहागपुरा निवासी रामनारायण के बैग में चीरा देकर अज्ञात व्यक्तियों ने रुपए निकाल लिए। पीड़ित की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा व सीओ ऋषिकेश मीणा के मार्गदर्शन एवं थानाधिकारी रविंद्र सिंह चौधरी के नेतृत्व में घटना के खुलासे के लिए प्रतापगढ़ थाने से विशेष टीम गठित की गई।

टीम ने बैंक के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो दो महिलाएं पीड़ित के बैग से पैसे निकाल कर ले जाती और कुछ दूरी पर एक कार में बैठकर अपने साथियों के साथ जाती हुई नजर आई। फुटेज के आधार पर गोपनीय आसूचना के आधार पर अभियुक्तों की पहचान कड़िया सासी गांव निवासी मनोरमा उर्फ गुड्डी बाई, पूजा, मनदीप सिंह व मनोज सिसोदिया के रूप में की गई।

कोतवाली थानाधिकारी रविंद्र सिंह तुरंत टीम के साथ कड़िया सासी गांव पहुंचे। 3 दिन वहां रुके और सीसीटीवी फुटेज व मुखबिर की सूचना के आधार पर गिरोह के बारे में जानकारी हासिल की।

विप्र फाउंडेशन के मेगा रक्तदान शिविर एक मई को, पोस्टर का लोकार्पण

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। विप्र फाउंडेशन के 13 वें स्थापना दिवस तथा भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 1 मई को देशव्यापी रक्तदान शिविरों का आयोजन होगा। इन रक्तदान शिविरों के माध्यम से 13 हजार यूनिट रक्त एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया हैं। इसके लिए देशभर में सौ से अधिक तथा अकेले जयपुर में 13 कैम्प लगाए जाएंगे।

विप्र फाउंडेशन राजस्थान जोन-1 के जयपुर में लगने वाले रक्तदान शिविरों के पोस्टर का लोकार्पण आज जयपुर सांसद रामचरण बोहरा व पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी ने किया। इस अवसर पर युवा प्रदेशाध्यक्ष पवन शर्मा नटराज, पार्षद पूनम शर्मा व राहुल शर्मा, एनके झा, एडवोकेट विजय भारद्वाज, प्रवीण शर्मा,विष्णु शर्मा, एडवोकेट खेम चंद शर्मा आदि उपस्थित थे।

पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा जयपुर पहुंचे

जयपुर। विप्र फाउंडेशन की ओर से परशुराम जन्मोत्सव पर पांच दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसकी शुरुआत 1 मई को विप्र फाउंडेशन के स्थापना दिवस पर लगने वाले स्वैच्छिक मेगा रक्तदान शिविरों के साथ होगी। इन आयोजनों की तैयारियों का जायजा लेने हास्य कवि पद्मश्री सुरेन्द्र शर्मा जयपुर पहुंचे और कार्यक्रम के पोस्टर का लोकार्पण किया। पोस्टर विमोचन अवसर पर विफा जोन- 1 के प्रदेशाध्यक्ष राजेश कर्नल, राष्ट्रीय महामंत्री पवन पारीक, राष्ट्रीय मंत्री विनोद अमन, जोन के संरक्षक ओमप्रकाश सेवदा, कोषाध्यक्ष नरेन्द्र हर्ष उपस्थित थे।

आईएएस अधिकारी स्वर्गीय डॉ. राकेश हूजा के लेखन और प्रकाशन के कैटलॉग का विमोचन

सिविल सेवाओं के बदलते स्वरूप पर हुई चर्चा

जयपुर। सिविल सर्विस डे के अवसर पर गुरूवार को 1974 बैच के आईएएस अधिकारी स्वर्गीय डॉ राकेश हूजा के लेखन और प्रकाशन के कैटलॉग का विमोचन हुआ। यह विमोचन राजेश शर्मा, प्रधान संपादक, राष्ट्रदूत, डॉ राकेश हूजा की पत्नी मिनाक्षी हूजा और बहन रीमा हूजा द्वारा किया गया। राजेश शर्मा, सेंट जेवियर्स स्कूल में डॉ राकेश हूजा के साथ कन्टेम्परी रहे थे। इस अवसर पर डॉ राकेश हूजा की पत्नी मिनाक्षी हूजा ने डॉ राकेश हूजा द्वारा लिखित सभी पुस्तकों को संगृहीत कर एक सुंदर कैटलॉग का रूप देने के पीछे के विचार और उनकी जर्नी के बारे में बताया।

मिनाक्षी हूजा ने बताया कि डॉ. राकेश हूजा ने प्रशासन, विकास, जल प्रबंधन, पंचायती राज, पब्लिक पॉलिसी आदि पर कई लेख, मोनोग्राफ और पुस्तकों सहित 460 से अधिक प्रकाशित लेख लिखे थे। अब, उन सभी पुस्तकों को संगृहीत कर एक कैटलॉग बनाया गया है, ताकि इसे पाठकों के लिए उपलब्ध कराया जा सके। इस अवसर पर श्री राजेश शर्मा ने डॉ राजेश हूजा के साथ जुड़ी अपनी यादें साझा की और सिविल सर्विस पर एक पत्रकार के नजरिए से अपने विचार रखे। स्वर्गीय डॉ राकेश हूजा जिन्होंने भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के निदेशक बनने के लिए समय से पहले सेवानिवृत्ति ले ली थी।

'महिला कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम' में प्रशिक्षित बालिकाओं और महिलाओं को वितरित किए सर्टिफिकेट

हेरिटेज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुरूषों के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण

पीडीकेएफ व निम्स यूनिवर्सिटी, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में

लाइम (चूना) वर्क, अराइश एवं लाइम जाली मेकिंग पर ट्रेनिंग कोर्स भी होगा शुरू

सर्टिफिकेट वितरण समारोह में सर्टिफिकेट प्राप्त कर चुकी बालिकाओं और महिलाओं के साथ राजसमंद सांसद दीया कुमारी, निम्स यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर डॉ पंकज सिंह, पीडीकेएफ की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर शिविना कुमारी एवं पीडीकेएफ की सदस्य एवं एम.एस.एम.एस. द्वितीय संग्रहालय की एग्जिक्यूटिव ट्रस्टी, श्रीमती रमा दत्त।

जयपुर। प्रिंसेज दीया कुमारी फाउंडेशन (पीडीकेएफ) और निम्स यूनिवर्सिटी, जयपुर द्वारा 'प्रोजेक्ट शक्ति' के तहत शनिवार को सर्टिफिकेट वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जयपुर स्थित बादल महल में निरंतर आयोजित किये जा रहे निःशुल्क महिला कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम 'प्रोजेक्ट शक्ति' के माध्यम से प्रारंभिक 3 बैच में सफलता पूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी महिलाओं एवं बालिकाओं को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। साथ ही कार्यक्रम में प्रशिक्षित महिलाओं एवं बालिकाओं को जयपुर की विभिन्न इंडस्ट्रीज के रिप्रेजेंटेटिव द्वारा जॉब के लिए ऑफर भी दिये गए। कार्यक्रम में राजसमंद सांसद एवं पीडीकेएफ की प्रेसिडेंट प्रिंसेस दीया कुमारी, निम्स यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर डॉ पंकज सिंह, पीडीकेएफ की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर शिविना कुमारी एवं पीडीकेएफ की सदस्य एवं एम.एस.एम.एस. द्वितीय संग्रहालय की एग्जिक्यूटिव ट्रस्टी, श्रीमती रमा दत्त उपस्थित रहीं। सांसद दीया कुमारी ने कहा बालिकाओं व महिलाओं के कौशल विकास के लिए हमने ये प्रशिक्षण कोर्स शुरू किए थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से जो बच्चियों और महिलाओं ने कौशल सीखा है, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी को उनके कौशल के आधार पर प्लेसमेंट भी मिले। कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए यह हमारे फाउंडेशन के माध्यम से एक पहल है। मैं चाहती हूं कि ज्यादा से ज्याद लोग कौशल विकास पर ध्यान दें। गौरतलब है कि प्रोजेक्ट शक्ति के माध्यम से आयोजित किए जा रहे निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सिलाई प्रशिक्षण, ब्यूटिशियन प्रशिक्षण, टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण, कंप्यूटर प्रशिक्षण आदि प्रदान किये जा रहे हैं। आगामी दिनों में प्रिंसेस दिया कुमारी फाउंडेशन के माध्यम से हेरिटेज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाइम (चूना) वर्क, अराइश एवं लाइम जाली मेकिंग का निशुल्क प्रशिक्षण पुरुषों को प्रदान किया जाएगा। जिसका पोस्टर विमोचन भी आज कार्यक्रम में किया गया। इच्छुक लोग निशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु बादल महल जयपुर में संपर्क कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रोजेक्ट शक्ति पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म भी प्रस्तुत की गई।

कवितांश

(के. मंजरी श्रीवास्तव की मशहूर लम्बी कविता 'एक बार फिर नाचो न इज़ाडोरा' से)

वर्ल्ड डांस डे पर विशेष

एक बार फिर नाचो इज़ाडोरा

मैं सोच ही रही थी कि
इस पेचीदा वक़्त में गुज़ारिश करूं तुमसे
एक बार फिर धरती पर आने की
पर इसके पहले ही न जाने कब
तुम समा गयी मेरे भीतर
विशुद्ध कायनात की पैदाइश बनकर
तुम्हारे साथ चला आया पूरा समंदर मेरे अन्दर
एफ्रोदिती (एक तारे का नाम) बनकर चमक उठी मैं तुम्हारी ही तरह
समंदर की मौजें बनकर नाच उठा
तुम्हारा स्वतंत्र निरंकुश बचपन मुझमें, मेरे गीतों, मेरी शायरी में
मेरे हर नृत्य और अंग संचालन में आ गया खुद ही
अंगड़ाई लेता
एक उमड़ता-घुमड़ता समंदर
तुम्हारी ज़िंदगी और कला
जो दोनों निकली थीं समंदर से रत्न बनकर
चली आयी है धीरे-धीरे मेरे भीतर
और मैंने भी सबसे ज़्यादा रोमांटिक समंदर अपने अंदर समेटकर
दरकिनार कर दिया है भावुकता जैसी बकवास चीज़ को तुम्हारी ही तरह
और थिरक उठी हूँ
आँखों में आग-से सुलगते एक हसीन जज़्बे के साथ
बीथोवेन, शुमाँ, शुबर्ट, मोज़ार्ट, शोपेन के गीत-संगीत पर
और शेक्सपियर, शेली, कीट्स या बर्न्स से लेकर
उमर ख़य्याम और महमूद दरवेश तक की कविताओं पर.
अतीत की बरबादियों के श्मशान में खड़ी मैं
देख रही हूँ नाचता-मुस्कुराता विश्व
प्रलय के बाद का भविष्य
जहाँ ख़ूनी समंदर की लहरें
अचानक सराबोर होती जा रही हैं लाल गुलाब के रंग में
और विश्व के हर कोने में मुस्कुरा उठा है
लाल-गुलाबी गुलाबों से चहकता एक मुग़ल गार्डन
जो अब हमेशा खुला रहेगा
आम जनता के लिए
प्रेमी जोड़ियों के लिए.
हर बार दुःख के समंदर में जितनी गहरी डुबकी लगाती हूँ मैं
उतनी ही ऊंची होती है खुशी के आसमान में मेरी हर उछाल
इज़ाडोरा बनी मैं
छू रही हूँ संगीत और नृत्य के अलौकिक आनंद की ऐसी ऊंचाइयां
जो यक़ीनन एक नई खोज है
एक नई चेतना है
विनष्ट होती जा रही मानवता के लिए.
हर पल होती जा रही हूँ और युवा
क्योंकि अभी तब तक नहीं मरना है मुझे
जब तक विनाशोन्मुख विश्व को वह अलौकिक संगीत न दे दूं
जिसका सपना हरपल मेरी आँखों में नाचता रहता है.
रहने लगी हूँ अपनी ही देह में ऐसे
जैसे बादलों में बूँद
गुलाबी आग और मादकता भरी प्रतिक्रिया का बादल
एक डरी-डरी सी, सहमी-सी, दुबली-पतली
हलकी देह वाली कमसिन लड़की से
बदल गई हूँ अचानक एक सख्त जान जांबाज़ औरत में
फिर देखती हूँ कि बदल गई हूँ एक भरी-पूरी
लताओं जड़ी मदिरा में नहाई मस्तानी देह में
जो एक प्रेमी का स्पर्श पाते ही हो जाती है
बेःद नम्र और सुरक्षाहीन
पहले थी मैं एक सहमी हुई शिकार
फिर एक जोशीली प्रेयसी
पर अब मैं छाने लगी हूँ दुनिया पर ऐसे एक प्रेमिका बनी
जैसे समुद्र पर एक साहसी तैराक
इस पूरे जहान को
बादलों और आग की लहरों में बांधते, भींचते और आलिंगित करते हुए
मैंने गाए हैं प्रेम और बहारों के साथ-साथ
पतझड़ के भी रंग भरे भव्य और विविध गीत
इज़ाडोरा !
तुम्हारे बाद
पहली बार शायद मैंने ही महसूसा है
कि पतझड़ का आनंद भी
बहुत शक्तिशाली, गहरा और मोहक होता है.
और कभी-कभी मैं बनी हूँ एक निर्मोही आत्मा-सी भी
जो मृत्यु के बाद जा रही हो किसी दूसरे लोक में
मैं देना चाहती हूँ दुनिया को एक ऐसा नया धर्म
जिसमें कहीं भी जगह न हो नफ़रत और युद्ध के लिए
ख़ून-ख़राबे के लिए
असलहों, मिसाइलों के लिए
देना चाहती हूँ इस दुनिया को शैम्पेन और शहतूत
वोदका और कोगनाक की खुमारी.

के.मंजरी श्रीवास्तव थियेटर समीक्षक, लेखक, कवियत्री

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **रिज़वान एजाज़ी के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं महिमा क्लासिक 601, बी-84, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, सह-संपादकः हरीश श्रीवास्तव (छबड़ा बारां) फोन : 0141-2620340 मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**